बर्षः- 06
अंकः- 21
मुरादाबाद
(Tuesday)
12 May 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

विकास और विरासत साथ लेकर आगे बढ़ रहा भारत, सोमनाथ अमृत महोत्सव में बोले PM मोदी

विपक्ष की आलोचना के बीच देश के उद्योगपतियों ने किया पीएम मोदी का समर्थन, देश की जनता से किया अनुरोध

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। सोमवार को गिर सोमनाथ में भव्य रोड शो के बाद उन्होंने सोमनाथ मंदिर में कुंभाभिषेक और पूजा अर्चना की। इसके बाद उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, जब मैं पिछली बार यहां आया था, तब मैंने कहा था कि जिसके नाम में ही सोम अर्थात अमृत जुड़ा हो, उसे कौन नष्ट कर सकता है। इतिहास के लंबे कालखंड में इस मंदिर ने अनेक आक्रमण झेले। महमूद गजनवी, अलाउद्दीन खिलजी जैसे अनेक आक्रांता आए। लुटेरों

ने सोमनाथ मंदिर का वैभव मिटाने का प्रयास किया। वो सोमनाथ को एक भौतिक ढांचा मानकर उससे टकराते रहे। बार-बार इस मंदिर को तोड़ा गया। ये बार-बार बनता रहा। हर बार उठ खड़ा होता रहा! क्योंकि तोड़ने वालों को मालूम नहीं था कि हमारे राष्ट्र का वैचारिक सामर्थ्य क्या है। हम भौतिक शरीर को नश्वर मानने वाले लोग हैं। उसके भीतर बैठी आत्मा अविनाशी है। और शिव तो सर्वात्मा हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, देश ने पोखरण परमाणु परीक्षण को ऑपरेशन शक्ति नाम दिया था, क्योंकि, शिव के साथ शक्ति की आराधना ही हमारी परंपरा रही है। शिव और शक्ति की हमारी आराधना का जो विचार है, वो देश की वैज्ञानिक प्रगति के लिए भी प्रेरणा बने। आज हम ये संकल्प भी साकार होते देख रहे हैं। मैं इस अवसर पर भगवान सोमनाथ के चरणों से सभी देशवासियों को ऑपरेशन शक्ति की वर्षगांठ की भी बधाई देता हूं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, दुनियाभर की शक्तियां भारत को दबोचने के लिए मैदान में उतरी। अनेक प्रकार के बंधन लग गए। आर्थिक संभावनाओं के सारे रास्ते बंद कर दिए गए। 11 मई के बाद दुनिया हम पर टूट पड़ी थी। लेकिन 13 मई को फिर दो और परमाणु परीक्षण हुए थे। उससे दुनिया को पता चला था कि भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति कितनी अटल है। उस समय पूरी दुनिया का दबाव भारत पर था। लेकिन अटल जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने दिखाया था कि हमारे लिए राष्ट्र प्रथम है। दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती, दबाव में नहीं ला सकती।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज का दिन एक और वजह से भी विशेष है। 11 मई, 1998 यानी आज के ही दिन देश ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था। देश ने 11 मई को पहले 3 परमाणु परीक्षण किए। हमारे वैज्ञानिकों ने भारत के सामर्थ्य को, भारत की क्षमता को दुनिया के सामने रखा। दुनिया में तूफान आ गया कि भारत कौन होता है, उसकी ये हैसियत, जो परमाणु परीक्षण करें।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं यहां देख रहा हूं कि सोमनाथ का अमृत महोत्सव केवल अतीत का उत्सव नहीं है। ये अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत की प्रेरणा का महोत्सव भी है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 75 साल पहले आज के ही दिन सोमनाथ मंदिर की पुनर्स्थापना... ये कोई साधारण अवसर नहीं था। अगर 1947 में भारत आजाद हुआ था तो, 1951 में सोमनाथ की प्राण प्रतिष्ठा ने भारत की स्वतंत्र चेतना का उद्घोष किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, अभी कुछ ही महीने पहले मैं यहां आया था, तब हम सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मना रहे थे। प्रथम विध्वंस के 1,000 वर्ष बाद भी सोमनाथ के अविनाशी होने का गर्व और आज इस आधुनिक स्वरूप की प्राण प्रतिष्ठा के 75 वर्ष, हम केवल दो आयोजनों का हिस्सा भर नहीं बनें, हमें हजार वर्षों की अमृत यात्रा को अनुभव करने का शिवजी ने मौका दिया है।उन्होंने कहा, दादा सोमनाथ के अनन्य भक्त के रूप में मैं कितनी बार यहां आया हूं, कितनी ही बार उनके सामने नतमस्तक हुआ हूं। लेकिन आज जब मैं यहां आ रहा था, तो समय की ये यात्रा एक सुखद अनुभूति दे रही थी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर कहा, सोमनाथ में हर कोने में भक्ति का अनुभव किया जा सकता है। पुनर्निर्मित मंदिर के श्रद्धालुओं के लिए द्वार खुलने के 75 वर्ष पूरे होने पर अनगिनत लोग एक साथ जुटे हैं। वह दिन भारत की सभ्यतागत यात्रा में वास्तव में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर था।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर की विरासत और आध्यात्मिक महत्व को समर्पित स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया।

संक्षिप्त समाचार

जनता तेल-गैस कम इस्तेमाल करे, लेकिन भाजपा के रोड शो में तेल की कोई कमी नहीं, बोले आप सांसद संजय सिंह

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा देश की जनता को सिर्फ वोट की मशीन समझती है। महंगाई और आर्थिक बोझ को देशभक्ति से जोड़कर मोदी सरकार जनता को गुमराह कर रही है।आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को एक्स पर कहा कि पांच राज्यों के चुनाव खत्म होते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने जनता का बोझ उठाने से हाथ खड़े कर दिए हैं। संजय सिंह ने कहा कि चुनाव तक सरकार जनता को भरोसा दिलाती रही कि देश में किसी चीज की कोई कमी नहीं है, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही जनता को तेल, गैस और सोने का इस्तेमाल कम करने की सलाह दी जाने लगी।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट को भी देशभक्ति से जोड़कर जनता को मानसिक रूप से दबाव में रखने का काम कर रही है, जबकि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग खुद ऐशोआराम, विदेशी यात्राओं और भव्य आयोजनों में किसी प्रकार की कटौती नहीं कर रहे हैं।संजय सिंह ने कहा कि रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं यह कहा कि पिछले दो महीने से सरकार जनता का बोझ उठा रही थी। उन्होंने कहा कि इसका सीधा अर्थ यह है कि जब तक पांच राज्यों के चुनाव चल रहे थे, तब तक सरकार जनता को राहत देने का दिखावा करती रही

योगी के मंत्रिमंडल विस्तार पर मायावती ने दी प्रतिक्रिया, कहा- इसका सकारात्मक असर जनता में दिखना भी चाहिए

बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी में किए गए मंत्रिमंडल विस्तार पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इसका असर लोगों के जीवन पर दिखना भी चाहिए।बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी में किए गए मंत्रिमंडल विस्तार पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इसका असर लोगों के जीवन पर दिखना भी चाहिए।उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि वैसे तो मंत्रिमण्डल का घटाना-बढ़ाना व विस्तार आदि सत्ताधारी पार्टी का आन्तरिक राजनीतिक चिन्तन का मामला ज्यादा होता है और इसीलिये उत्तर प्रदेश मंत्रिमण्डल के कल हुये विस्तार के बारे में कुछ भी टीका-टिप्पणी करना उचित नहीं होगा, किन्तु कुल मिलाकर इसका अच्छा प्रभाव आमजन के हित के साथ-साथ ख़ासकर सर्वसमाज के गरीबों, मजदूरों, किसानों, युवाओं के जीवन की बेहतरी एवं महिला सुरक्षा-सम्मान आदि पर पड़ता हुआ दिखना भी जरूर चाहिये, वरना लोग इसको राजनीतिक जुगाड़ तथा सरकारी संसाधन पर बढ़ा हुआ बोझ ही मान लेंगे।इतना ही नहीं बल्कि समाज के हर वर्गों में भी विशेषकर कमजोर तबकों के जान, माल व मजहब की सुरक्षा व उन्हें न्याय मिलता हुआ महसूस होने पर सरकार व उनके सभी मंत्रियों के कार्यकलापों में परिलक्षित भी हो तो यह उचित होगा, जो कि सरकारों व उनके मंत्रियों की पहली संवैधानिक जम्मिेदारी बनती है। इसी क्रम में अभी हाल ही में राजधानी लखनऊ में ब्राह्मण समाज से ताल्लुक रखने वाले भाजपा के एक युवा नेता पर जानलेवा हमला होने से हर तरफ एक बार फिर से कानून-व्यवस्था के साथ-साथ इस बात पर भी चर्चा शुरू हो गयी है कि यूपी में ब्राह्मण समाज यहां केवल उपेक्षित ही नहीं बल्कि काफी असुरक्षित भी है जो अति-चिन्तनीय, जबकि बी.एस.पी. की रही सभी सरकारों में समाज के हर वर्ग के जान, माल व मजहब के साथ-साथ बेहतरीन क़ानून-व्यवस्था के तहत ब्राहमण समाज सहित समाज के सभी वर्गों को 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' की नीति व सिद्धान्त के अन्तर्गत न्याय और सुरक्षा दी गयी थी, जो कि सर्वविदित है। यूपी में रविवार को हुए मंत्रिमंडल विस्तार में छह मंत्री बनाए गए हैं। वहीं, दो का प्रमोशन हुआ है।

ये नाकामी के सबूत हैं : PM मोदी की अपील पर राहुल गांधी ने साधा निशाना, बोले- देश चलाना उनके बस की बात नहीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से की गई अपील पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह नाकामी का सबूत है। उन्होंने कहा कि 12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है कि वह क्या खरीदे, क्या न खरीदे, कहां जाए, कहां न जाए।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया। उन्होंने पश्चिम एशिया संकट से निपटने के लिए प्रधानमंत्री की ओ से की गई सात अपील पर निशाना साधा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समझौता करने वाला बताया। उन्होंने लिखा, मोदी जी ने कल जनता से त्याग मांगे- सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम जलाओ, खाद और खाने का तेल कम करो, मेट्रो में चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं- ये नाकामी के सबूत हैं।उन्होंने आगे लिखा, 12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है- क्या खरीदे, क्या न खरीदे, कहां जाए, कहां न जाए। हर बार जिम्मेदारी जनता पर डाल देते हैं, ताकि खुद की जवाबदेही से बच निकलें। देश चलाना अब समझौता करने वाले प्रधानमंत्री के बस की बात नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने क्या कहा था?- प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था। उन्होंने कहा था कि हर परिवार को खाने के तेल का इस्तेमाल कम करना चाहिए और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना चाहिए, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत हो और पर्यावरण की रक्षा हो सके । प्रधानमंत्री सिकंदराबाद में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कह कि खाने के तेल की खपत कम करने से लोगों की सेहत भी बेहतर होगी और देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा, खाने के तेल के आयात पर देश को विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है। अगर हर परिवार खाने के तेल का इस्तेमाल कम कर दे, तो यह देशभक्ति में बड़ा योगदान होगा। इससे देश के खजाने की सेहत भी सुधरेगी और परिवार के हर सदस्य की सेहत भी बेहतर होगी। उन्होंने रासायनिक खाद के आयात पर पड़ने वाले दबाव का भी जिक्र किया। प्रधानमत्री ने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में विदेश से रासायनिक खाद खरीदता है। उन्होंने किसानों से इसके उपयोग को कम करने की अपील की। उन्होंने कहा, कृषि क्षेत्र में भी विदेशी मुद्रा खर्च होती है। हम विदेश से रासायनिक खाद आयात करते हैं। हमें इसका उपयोग आधा करना चाहिए और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ना चाहिए। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी और हमारी जमीन व धरती माता भी सुरक्षित रहेंगी। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने देशभक्ति की नई परिभाषा भी दी और कहा कि हर भारतीय को आर्थिक मजबूती के लिए सामूहिक प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा, देशभक्ति सिर्फ सीमा पर जान देने तक सीमित नहीं है। आज के समय में देशभक्ति का मतलब है जिम्मेदारी से जीवन जीना और रोजमर्रा की जिंदगी में देश के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाना। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि जहां मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध हों, वहां उनका इस्तेमाल करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर कार पूलिंग करनी चाहिए, सामान की ढुलाई के लिए रेलवे का अधिक उपयोग करना चाहिए और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना चाहिए।

नवनाथ मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के लिए पहुंचे सीएम योगी, सुरक्षा में एक हजार जवान तैनात

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज बागपत के भगवानपुर नांगल गांव स्थित शिव गोरखनाथ आश्रम में नव नाथ मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा और स्थापना कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे हैं। पीएम यहां तकरीबन करीब सवा घंटा रहेंगे। धार्मिक कार्यक्रम के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज बागपत जनपद के भगवानपुर नांगल गांव स्थित शिव गोरखनाथ आश्रम में आयोजित नव नाथ मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं। यह कार्यक्रम पूरी तरह धार्मिक है और इसमें किसी प्रकार की जनसभा या राजनीतिक गतिविधि नहीं होगी। मुख्यमंत्री यहां करीब सवा घंटे तक आश्रम में रहेंगे और मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा व स्थापना से जुड़े अनुष्ठानों में भाग लेंगे।मुख्यमंत्री

पौने चार बजे हेलीपैड पहुंचे जहां वह भगवानपुर नांगल के शिव गोरखनाथ आश्रम में पहुंचे। पूर्व सांसद डॉ सतपाल सिंह हेलीपेड से सीएम के साथ कार में बैठकर आए। सीएम के पहुंचने पर वंदे मातरम के नारे लगे।सीएम का परिसर में मौजूद संतों ने भव्य स्वागत किया। घंटा बजाया गया है और फिर सीएम नवनाथ मंदिर प्रांगण पहुंचे। यहां सीएम ने बाबा नवनाथ की समाधि पर पुष्पांजलि भेंट कर मंदिर में पूजा अर्चना की। यज्ञशाला में चल रहे यज्ञ में पूर्णाहुति दी। इस दौरान पंडित आचार्य सुनील गौतम ने मंत्रोच्चारण किया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह समाधि स्थल पर माथा टेकेंगे तथा माता मंदिर में भी दर्शन करेंगे। इसके साथ ही वह चादर विधि भी करेंगे और फिर वापस रवाना हो जाएंगे।तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे मंत्री व भाजपा नेता- सीएम के पहुंचने से पहले भगवानपुर नांगल गांव में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर तैयारियों का जायजा लिया। दोपहर को मंदिर परिसर में राज्य मंत्री केपी मलिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. सत्यपाल सिंह और विधायक योगेश धामा समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता पहुंचे और कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। नेताओं ने मंदिर परिसर में चल रही तैयारियों का जायजा लिया और स्थानीय कार्यकर्ताओं व प्रशासनिक अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। भाजपा नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय लोगों में उत्साह है तथा कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए सभी तैयारियां तेजी से की जा रही हैं। अनुष्ठान- भगवानपुर नांगल गांव में नाथ संप्रदाय से जुड़े महंत अर्जुन नाथ का शिव गोरखनाथ आश्रम स्थित है। यहां नव नाथ मूर्ति स्थापना के लिए पिछले एक सप्ताह से धार्मिक कार्यक्रम और अनुष्ठान चल रहे हैं। सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा के बाद मूर्तियों की विधिवत स्थापना की जाएगी।

संपादकीय Editorial

Will intellectuals contest the elections?

The municipal elections are a test of strength between the ruling party and the opposition. The BJP, taking the first step, broadened the landscape, making the elections so significant that the Congress has now created a whole new atmosphere for the cities. In such a scenario, the municipal corporations, now transformed into cantonments, will only leave Himachal's political landscape open to new experiments. This is also because the potential of some independents to garner votes could undermine the efforts of both major parties or, in the face of internal conflict, sabotage their dreams. Political parties are grappling with each other in an attempt to find their groove, and the election corridors are witnessing a fierce battle. Clearly, the elections are deeply entrenched in politics, and campaign material will be tainted with mud and slush. However, this is an opportunity for the people of Palampur, Mandi, Dharamshala, and Solan to express their political and social awareness. As the state's concerns emerge from the existence of cities, the need for state-level planning will increase. Cities also have municipal councils or panchayats, but it's important to examine Himachal's vision for a corporation. If the political and democratic apathy of the socially intelligent class continues, we'll only get a few political pillars in the form of councillors. It remains to be seen what the election promises become and how willingly the parties craft their manifestos. The irony is that urban thinking has upended the entire system by creating economic ghettos. Solan's masked urban vision fails to see that the lush green hills of yesteryear have become cement towers. Palampur has snatched away its tea gardens, and now the adjacent hills are being razed in the name of tourism. Dharamshala, while projecting its own exalted image, has turned McLeodganj into "Mailaganj," while the land mafia, posing as the champion of economic progress, reigns supreme. Mandi's struggle is its own cultural heritage, but it's worth noting that the BJP wants to make it a spectacle of its politics. Will we contest these elections to grant Mandi the status of cultural capital? Will these elections raise the issue of Solan achieving the title of safe apartment city? Will Palampur keep its inner "Palam" alive, creating an electoral sense of tea and flowing water in the canals, or will we become a mere big city in the midst of overcrowding? Dharamshala has received many nicknames, but beneath the labels of Mini Lhasa, Winter Capital, Sports City, or Tourism Capital, will it find any electoral concern? With the advent of urban elections, new sectors will be created in Bilaspur, Nahan will see the leaking of decrees from its ponds, or will Chamba's Chaugans regain their lost smile? When will the essays of the city of Ghumarwin, growing under the pressure of salary, be written? Will the tourism business, driven by Manali's glory, forget that the vastness of the city beyond this town also needs the comforts of the past? Cities associated with major temples also need comfort. When the Naina Devi temple draws pilgrims, what a plight the city experiences? Offices that have strayed from Shimla are shifting to cities, or young people are arriving for a new education, but are we classifying cities and establishing them as their identity? After all, what is the urban vote? Simply confining the parrot of votes in a political cage is a failure. For cities to become places of peaceful life, a happy landscape, a sea of ??thought, a temple of knowledge, and an anchor of the economy, the intelligentsia must extol the importance of their vote.

It's Essential to Distinguish Between Government and Country

In a democracy, it's wrong to consider the government and the country as one, because governments are temporary, while the country is permanent. Criticizing the government is not treason, but rather a citizen's duty for a healthy democracy. The government is temporary, the country is permanent; it's important to understand the difference. Criticizing the government is a citizen's democratic duty. The interests of the ruling party may differ from the national interest. One of the most fundamental truths of democracy is that the country and the government are not the same entity. This distinction is not merely theoretical, but fundamental to democratic health. The country is a vibrant, multi-layered, and constantly evolving collective consciousness, a collection of its diverse, conflict-ridden history, aspirations, and future. In contrast, the government is a temporary arrangement, elected by the people from time to time. Governments come and go, but the country endures. Obscuring this seemingly simple truth is weakening the very soul of democracy. Problems arise when the ruling party begins to present its political interests as the national interest. This trend is not new, but it has become more vocal and aggressive in today's times. Portraying criticism of the government as criticism of the country, equating dissent with treason, and equating the image of a single leader with the dignity of the nation are all tools to limit democratic discourse. This creates pressure on citizens to refrain from raising questions, lest they be branded "anti-national." This environment is completely contrary to the fundamental spirit of democracy: free thought and debate. In any healthy democracy, criticism is not only a right but also a duty of citizens. Questioning, analyzing, and, when necessary, opposing the government's policies, decisions, and practices are essential elements of active citizenship. If this process weakens, centralization of power increases and accountability diminishes. Whenever the government and the nation are considered one, democratic institutions are weakened, civil rights are undermined, and authoritarian tendencies flourish. The dignity and reputation of any high-ranking leader are undoubtedly important, but equating them with the dignity of the nation is a dangerous oversimplification. A nation's reputation depends not on the image of any individual, but on the strength of its institutions, the independence of its citizens, the impartiality of the judiciary, and the inclusive structure of society. When we begin to view criticism of a leader as an insult to the nation, we inadvertently disrupt the balance of democracy that should exist between institutions and individuals. It is pertinent to remember that in a democracy, institutions are greater than individuals. This trend of personality cult gradually weakens the institutional structure and threatens to transform democracy into a personality-centric system. The interests of the ruling party and the national interest are not always aligned. Every party naturally works for its own expansion, influence, and electoral success, and this is part of democratic politics. However, when these interests are presented as national interests and attempts are made to suppress voices of dissent, problems arise. This reduces the scope for diverse perspectives in policymaking and can lead to one-sided decisions. The essence of democracy is dialogue between diverse opinions, leading to policy development. Citizens play a central role in this debate. Active participation is essential in democracy. Asking questions, gathering information, evaluating policies, and forming independent opinions are all essential elements of democratic citizenship. If citizens shirk this responsibility, the imbalance of power increases and democracy begins to weaken. It is also important to understand that criticism does not necessarily mean opposition or negativity. Constructive criticism is a process through which policies are improved and governance becomes more effective. In a mature democracy, the government views criticism as an opportunity, not a threat. However, when criticism itself is perceived as hostility, it is a sign of democratic insecurity. Today, we need to clearly understand and maintain this distinction between the state and the government. We must recognize that governments are temporary, but the nation is permanent. Therefore, our paramount loyalty should not be to any party or individual, but to the values ??that define this country—democracy, justice, equality, sovereignty, and freedom. A strong democracy is one where citizens can fearlessly ask questions, where dissent is respected, and where governments hold themselves accountable to the people. Maintaining this essential distance between the state and the government is the greatest guarantee of democracy's security. If we forget this distinction, we not only shirk our civic responsibility but also weaken the democratic spirit that holds us together as a nation.

Victory in Tamil Nadu

Joseph Vijay's government in Tamil Nadu will face inexperience, populist promises, and the complexities of Dravidian politics. Following the swearing-in of the BJP government in Bengal, the wait is now for the formation of a government in Tamil Nadu, another state with an unexpected election result. Since TVK leader Joseph Vijay has garnered support from the Congress, the CPI(M), the CPI, the VCK, and the Indian Union Muslim League, which broke away from the DMK, his swearing-in as Chief Minister is beyond doubt. Vijay's rapid ascent from actor to politician is nothing short of miraculous. He formed his party two years ago and reached power in his first attempt. His victory underscores the unique craze for film stars in Tamil Nadu. This is precisely why film personalities like Karunanidhi, MGR, and Jayalalithaa have made their mark in politics. It's difficult to predict the political impact Vijay will make as Chief Minister, as he has no administrative experience. His government will be dependent on the support of five parties, so despite his popularity as an actor, governing will not be easy for him. It's true that Tamil Nadu is a relatively prosperous state, but given the sheer number of populist promises Vijay has made, fulfilling them will be difficult for him. Why do politicians in economically strong Tamil Nadu have to make so many populist promises? The answer to this question seems to be that a section of the state still remains mired in poverty. This is an anomaly. It's doubtful whether poverty can be alleviated by distributing freebies. In Vijay's case, it's also important to see whether he will pursue his politics in the same vein as the Dravidian parties or will he take a new path? It's no secret that Dravidian parties have been engaging in anti-Hindi politics, engaging in confrontation with Delhi, the central government, and in the name of Tamil identity, they have also been trying to promote Tamilism as if the state is distinct from the rest of the country. This Tamilism has often smacked of Kshatriya narrow-mindedness, along with a certain separatism. At present, it's difficult to know the ideology of Joseph, a Christian, and his political party. Isn't it strange that he considers the BJP a religious party, but not the Muslim League? Indeed, there are many questions about Vijay. One of these is whether his coming to power will intensify the conversion campaigns of Christian missionaries?

The Challenge of Bringing Bengal Back on Track

The issue of women's insecurity in Bengal also surfaced, as the rape and murder of a doctor from RG Kar Medical College and incidents of violence and abuse against women in Sandeshkhali shocked the people. TMC's defeat: misgovernance, Muslim appeasement, and infiltration ignored. Bangladeshi infiltration has changed the demographics of Bengal, becoming an election issue. Law and order and preventing political violence pose a major challenge for the BJP government. As soon as the Special Intensive Revision (SIR) process of voter list (SIR) began in West Bengal, Mamata Banerjee vehemently opposed it and even approached the Supreme Court. The Supreme Court not only upheld the SIR but also ordered its continuation. Furthermore, it entrusted judicial officers with monitoring the process. Mamata Banerjee also opposed the deployment of a large number of central forces in the state to ensure free and fair elections, claiming that the Election Commission was responsible for the absence of violence before and during the elections. Despite this, Mamata blamed the Election Commission for her defeat. By refusing to resign, she displayed childish political behavior. Undoubtedly, like in other states, millions of names of deceased, relocated, and duplicate voters were removed from the voter list in Bengal, but this cannot be used to conclude that the Trinamool Congress (TMC) lost due to the SIR. This allegation is proven false by the fact that the TMC won 13 of the 20 seats where the highest number of names were deleted. There is no denying that there may have been some discrepancies in the SIR, as no process is 100% accurate. But blaming the SIR for the TMC's defeat is an attempt to ignore the fact that Mamata's rule had become synonymous with misgovernance. Mamata, in power for 15 years, had crossed all limits of Muslim appeasement. In response, Hindus rallied behind the BJP, leading to its unexpected victory. The TMC's defeat was also due to Mamata herself becoming unpopular. This was due to illegal extortion and seizure of public property by their leaders and workers. The issue of women's insecurity in Bengal also came to the fore, as the rape and murder of a doctor from RG Kar Medical College and the violence and abuse of women in Sandeshkhali shocked the people. This further deepened the anti-incumbency sentiment against the TMC. Instead of admitting her mistakes, Mamata Banerjee is claiming that she has not lost, but has been defeated, which reflects her frustration. For the first few decades after independence, the Congress ruled Bengal, followed by the Left parties for more than three decades. When the Left's rule became synonymous with misgovernance, people supported Mamata Banerjee, who challenged them with the slogan of change, but gradually she too adopted the Left's tactics. One reason for this was that many leaders and workers of the Left parties joined the TMC. Mamata Banerjee, who once opposed Bangladeshi infiltration, began to ignore them in her greed for power and retention. She continued to deny the fact that infiltration was taking place from Bangladesh. She began defending the infiltrators, while the Hindu community was witnessing how Bangladeshi infiltrators had altered the demographics of Bengal's border areas, like Assam. This demographic change was creating social imbalance and hurting Hindu identity.

पीतल कारोबारी के घर डकैती, बदमाश 1.20 करोड़ की नकदी-जेवर लेकर फरार, परिजनों को बनाया बंधक

बांग्ला गांव के अकबर कंपाउंड में पीतल कारोबारी मोहम्मद इमरान के घर छह बदमाशों ने परिवार को तमंचों के बल पर बंधक बना लिया। घर में जमीन की रजिस्ट्री के लिए रखे 1.20 करोड़ रुपये, जेवर और मोबाइल लूट लिए।

जांच में जुटी है।मुरादाबाद की बंगला गांव स्थित अकबर रात करीब साढ़े तीन बजे पीतल कारोबारी एवं प्रॉपर्टी डकैती की वारदात को अंजाम खोलकर बदमाश अंदर घुसे के बल पर लेकर एक करोड़ के अलावा सात तोला सोना मिनट में इस वारदात को गए।पुलिस और फोरेंसिक टीम पड़ताल की है। पुलिस रही है। पुलिस के मुताबिक, कि उन्हें रविवार को एक प्रॉपर्टी इसलिए उन्होंने एक करोड़ अपने घर में रखे थे। कारोबारी रविवार की रात वह अपने बड़े में सो रहे थे। दूसरे कमरे में छोटा अरकान सो रहे थे। तीसरे कमरे में दो बेटियां अरीबा,अरीना थीं। रात करीब साढ़े तीन बजे छह नकाबपोश बदमाशों ने बाहर से किसी तरह गेट का लॉक खोल लिया और जीने के जरिए पहली मंजिल पर पहुंचकर परिवार के सभी छह सदस्यों को तमंचे के बल पर अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद उन्होंने रजिस्ट्री के लिए रखी गई रकम के बारे में पूछताछ की। उनके पास में ही रकम रखी थी। जिसे उन्होंने अपने कब्जे में ले लिया। इसके अलावा उनकी पत्नी के छह तोले सोने के जेवर लूट लिए। करीब दस मिनट बाद बदमाश सभी सदस्यों को एक कमरे में बंधक कर भागने लगे लेकिन इमरान के बेटे आरिफ ने दरवाजा अंदर से बंद नहीं होने दिया। उसने काफी दूर तक बदमाशों का पीछा किया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस आ गई और जांच पड़ताल की। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि बदमाश डीवीआर भी ले गए हैं। आस पड़ोस के सीसीटीवी कैमरों से घटना का सच जाने का प्रयास किया जा रहा है। कुछ लोगों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस व फॉरेंसिक टीम बेहद सुरक्षित माने जाने वाले कंपाउंड में रविवार की देर नकाबपोश छह बदमाशों ने डीलर इमरान के घर में दिया।बाहर से गेट का लॉक और पूरे परिवार को तमंचों बीस लाख रुपये की नकदी भी लूट लिया। करीब दस अंजाम देकर बदमाश भाग ने मौके पर पहुंचकर जांच कारोबारी से भी पूछताछ कर कारोबारी इमरान ने बताया की रजिस्ट्री कराने थी। बीस लाख रुपये जुटाकर ने पुलिस को बताया कि आरिफ के साथ एक कमरे उनकी पत्नी सीमा और

चचा जनसेवक हैं हमारे: मुरादाबाद में दौड़ रहीं 'विधायक' लिखी गाड़ियां, ज्यादातर दूसरे नाम पर दर्ज

मुरादाबाद में विधायक लिखी गाड़ियों की पड़ताल में बड़ा खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि विधायक लिखी 12 गाड़ियों में सिर्फ एक ही कार कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह के नाम पंजीकृत थी, जबकि बाकी 11 वाहन अन्य लोगों, परिवार के सदस्यों और एक फर्म के नाम दर्ज मिले। परिवहन नियमों के बावजूद शहर में बड़ी संख्या में पदनाम लिखी गाड़ियां सड़कों पर दौड़ रही हैं।मुरादाबाद शहर में विधायक लिखी तमाम गाड़ियां सड़कों में दौड़ती गाड़ियां विधायकों के नाम पर दर्ज ही नहीं हैं। विधायक कार ऐसी थी जो विधायक रामवीर सिंह के नाम से दर्ज पाई आरटीओ कार्यालय में पंजीकृत हैं। यही हाल जिला पंचायत गाड़ियों का रहा। शहर में कांठ रोड हो, दिल्ली मार्ग हो या फिर जगह आपको विधायक लिखी गाड़ियां आसानी से नजर आ आगे भी गाड़ियां आसानी से देखी जा सकती हैं। अमर अलग-अलग इलाकों में दौड़ती नजर आईं। जब इन गाड़ियों के नाम पंजीकृत पाई गई। वह थी कुंदरकी विधायक रामवीर पाए गए। इसमें दो-तीन गाड़ियां माननीयों के परिवार के तो फर्म के नाम मिला। ये तो सिर्फ 12 गाड़ियों की पड़ताल सकती है। जबकि परिवहन विभाग के नियमों के मुताबिक में गाड़ी मिलती है उसी हालत में सड़क पर चलाई जानी चाहिए। जिला पंचायत अध्यक्ष-मेयर लिखी तीन-तीन कारें, नाम सिर्फ एक-एक मिलीं लेकिन एक-एक गाड़ियां ही जिला पंचायत अध्यक्ष और महापौर के नाम दर्ज पाई गईं। बाकी चार गाड़ियों के स्वामी दूसरे निकले। भाजपा जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष लिखीं कारें भी शहर में जनप्रतिनिधियों के अलावा भाजपा जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष लिखी गाड़ियां भी शहर में घूमती हैं। जिलाध्यक्ष लिखीं ऐसी तीन गाड़ियां दिखीं। इनमें एक गाड़ी जिलाध्यक्ष की है। बाकी दो गाड़ियां दूसरों के नाम दर्ज मिलीं। महानगर अध्यक्ष लिखी दो में से एक गाड़ी दूसरे के नाम दर्ज पाई गई। पत्नी के नाम दर्ज कार में चलते हैं एमएलसी एमएलसी गोपाल अंजान जिस कार से चलते हैं वह कार उनके नाम दर्ज नहीं है। यह कार उनकी पत्नी के नाम दर्ज है। जबकि एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त जिस कार से चलते हैं वह उन्हीं के नाम दर्ज है। शोरूम से जिस रूप में गाड़ी निकलती है। वह उसी रूप में चलनी चाहिए। परिवहन विभाग के नियमानुसार गाड़ी पर किसी प्रकार का स्टीकर नहीं लगाना चाहिए। गाड़ी को मॉडीफाई भी नहीं कर सकते हैं। - संदीप कुमार पंकज, आरटीओ प्रवर्तन ऐसे वाहनों के खिलाफ बीच-बीच में अभियान चलाए जाते हैं। जिन पर जाति धर्म, राजनीतिक दल, विधायक आदि लिखे होते हैं। - सुभाष चंद्र गंगवार, एसपी ट्रैफिक विधायक लिखी गाड़ियां और उनके स्वामी- यूपी-21 सीबी 0009 (वाहन स्वामी = फौजान खान) यूपी-21 डीई 0009 (वाहन स्वामी = अनिरुद्ध अग्रवाल) यूपी-21 सीआर 0009 (वाहन स्वामी = अल्पना गुप्ता) यूपी-21 डीजे 4365 (वाहन स्वामी = मोहित गौर) यूपी-21 डीएम 2509 (वाहन स्वामी = आलोक चौधरी) यूपी-21 सीके 9009 (वाहन स्वामी = योगेश कुमार) यूपी-21 बीएम 0990 (वाहन स्वामी = नैंसी गुप्ता) यूपी-21 डीएफ 7119 (वाहन स्वामी = सौरभ) यूपी-21 डीएल 4567 (वाहन स्वामी = मधु सक्सेना) यूपी-21 सीसी 3060 (वाहन स्वामी = रामवीर सिंह) यूपी-21 डीआर 3060 (वाहन स्वामी = जेएडीई एक्सपोर्टस) यूपी-38 एई 6150 (वाहन स्वामी = असलम) जिला पंचायत अध्यक्ष लिखी गाड़ियां और उनके स्वामी यूपी-21 सीटी 2682 (वाहन स्वामी = जाहिद हुसैन) यूके-06 एई 9511 (वाहन स्वामी = शैफाली सिंह) यूके-18 एच 3552 (वाहन स्वामी = महेंद्र कुमार) मेयर लिखी गाड़ियां और उनके स्वामी यूपी-21 सीए 5550 (वाहन स्वामी = जेओ एक्सपोर्ट इंटरनेशनल) यूपी-21 डीडी 0505 (वाहन स्वामी = द नगर आयुक्त) यूपी-21 डीक्यू 0505 (वाहन स्वामी = विनोद कुमार अग्रवाल) भाजपा जिलाध्यक्ष लिखी गाड़ियां और उनके स्वामी यूपी-21 बीवी 9444 (वाहन स्वामी = रामअवतार सिंह) यूपी-21 बीजेड 7771 (वाहन स्वामी = अमित कुमार) यूपी-37 डीए 5060 - (वाहन स्वामी = अरविंद कुमार) भाजपा महानगर अध्यक्ष लिखी गाड़ी और उसके स्वामी यूपी-16 सीजे 3875 (वाहन स्वामी = गिरीश भंडूला) यूपी-21 सीपी 9597 (वाहन स्वामी = अनुराधा मलिक)

दिख जाएंगी लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि अधिकांश लिखी 12 कारों की पड़ताल की गई तो इनमें केवल एक गई।बाकी 11 गाड़ियां अलग-अलग लोगों के नाम से अध्यक्ष, मेयर, भाजपा जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष लिखी रामपुर रोड।किसी भी प्रमुख बाजार में देख लीजिए। हर जाएंगी। कुछ पॉश कॉलोनियों में तो बड़ी बड़ी कोठियों के उजाला की पड़ताल में भी ऐसी ही 12 गाड़ियां शहर के के बारे में रिपोर्ट जुटाई गई तो सिर्फ एक कार ही विधायक सिंह के नाम पर। जबकि 11 गाड़ियों के स्वामी दूसरे लोग सदस्यों के नाम दर्ज हैं। यही नहीं एक गाड़ी का रजिस्ट्रेशन है, बल्कि ऐसी गाड़ियों की संख्या इससे कहीं ज्यादा हो गाड़ी पर कुछ भी नहीं लिख सकते हैं। शोरूम से जिस हालत तीन-तीन गाड़ियां जिला पंचायत अध्यक्ष और महापौर लिखीं

लापता बच्चे का शव सेप्टिक टैंक में मिला, परिजन बोले- बिल्डर की लापरवाही, महिला ने भी दी थी धमकी

रामगंगा विहार हाई स्ट्रीट स्थित निर्माणाधीन पीएस ग्रीन सोसाइटी के खुले सेप्टिक टैंक में छह दिन से लापता सात वर्षीय हसन आलम का शव मिला। पोस्टमार्टम में डूबने से मौत की पुष्टि हुई है। बच्चे के पिता ने आर्किटेक्ट और ठेकेदार पर लापरवाही

सोसाइटी के खुले सेप्टिक टैंक में छह दिनों से कि बच्चे की मौत डूबने से हुई है।रविवार को आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। बिहार के अररिया अपने परिवार के साथ सात माह पहले रामगंगा लिए आए थे।मजदूर वर्तमान में सागर सराय पत्नी कुरेशा ने बताया कि उसका बेटा हसन उस समय वह पति के साथ चिनाई का काम कर शुरू कर दी। इस दौरान उसके साथी अन्य मजदूर ने सिविल लाइंस थाने में गुमशुदगी की तहरीर टैंक में तराता हुआ देखा। टैंक खुला हुआ था। शुरू कर दिया। पिता हसीब ने बताया कि उसके धमकी दी थी वह पूरे परिवार को देख लेगी। सिविल लाइंस पुलिस ने परिजनों को समझाबुझा पोस्टमार्टम के बाद शव पुलिस ने परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला कि बच्चे की मौत डूबनेडु की वजह से हुई है। डॉक्टरों के अनुसार बच्चे के पेट से काफी पानी भर गया था। बच्चे के पिता हसीब ने आर्किटेक्ट और ठेकेदार के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में तहरीर दी। आरोप लगाया है कि टैंक को आर्किटेक्ट ने ढकवाया नहीं था। इसी वजह से उसका बेटा टैंक में गिर गया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि परिजनों ने तहरीर देकर कुछ लोगों पर आरोप लगाए हैं। जांच के आधार पर पुलिस कार्रवाई करेगी।

का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।रामगंगा विहार हाई स्ट्रीट स्थित निर्माणाधीन लापता बच्चे का शव शनिवार की शाम उतराता मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला बच्चे के पिता ने आर्किटेक्ट और ठेकेदार की लापरवाही से बच्चे की मौत होने का जिले के सिकटी थाना क्षेत्र के पटरिया ग्राम निवासी हसीब और उसकी पत्नी कुरेशा बिहार स्थित हाई स्ट्रीट स्थित पीएस ग्रीन सोसाइटी के प्रोजेक्ट पर मजदूरी करने के निवासी राहुल गगनेजा के निर्माणाधीन मकान में रहते हुए काम कर रहे हैं। मजदूर की आलम (07) चार मई की दोपहर अन्य बच्चों के साथ खेलने के लिए निकला था। रही थी। देर तक बच्चे के आवास पर नहीं लौटने पर पति पत्नी ने उसकी खोजबीन भी बच्चे को ढूंढ़ने लगे लेकिन उसका पता नहीं चल सका। अंत में पांच मई को पति दी। इस बीच शनिवार देर शाम सोसाइटी के गार्ड ने निर्माणाधीन मकान के सेप्टिक रविवार सुबह शव की शिनाख्त होने पर परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए हंगामा गांव की रहने वाली महिला से घटना के दो दिन पहले विवाद हुआ था। महिला ने उसने कहा कि धमकी देने वाली महिला गायब है। हंगामे की सूचना मिलने के बाद कर शांत किया। फिर भी महिलाएं सोसाइटी के बाहर धरना देकर बैठी हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में तीन दिन में छह डिग्री बढ़ा पारा, हवा की गति धीमी होने से बढ़ गई उमस, जनजीवन बेहाल

मुरादाबाद में बारिश के बाद अब मौसम तेजी से गर्म हो रहा है। पिछले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में छह डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान 34.2 और न्यूनतम 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मुरादाबाद के मौसम में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। हाल ही में हुई बारिश के बाद अब तेज धूप निकलने से लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ रहा है। पिछले तीन दिन में अधिकतम तापमान में 28 डिग्री से छह डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है।मौसम विज्ञान विभाग की वेबसाइट के अनुसार मौसम साफ रहने की वजह से आगामी दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। सात मई की बारिश की बाद से लगातार गर्मी बढ़ रही है। रविवार को सुबह से ही मौसम साफ था।पिछले 24 घंटे की अपेक्षा अधिकतम और न्यूनतम तापमान में एक-एक डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम 24.4 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह वातावरण में नमी 62 फीसदी और शाम को 55 फीसदी दर्ज की गई। हवा दक्षिण पूरब दिशा से पांच से दस किलोमीटर प्रति घंटा है। मौसम विज्ञान विभाग के डाटा संग्रह केंद्र के प्रभारी निसार अहमद ने बताया कि रविवार को दिनभर में कई बार हवा का रुख बदला है। पूरब दिशा से हवा चलने पर बीच-बीच में हल्के बादल आ रहे हैं। हवा की धीमी गति की उमस भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में मौसम साफ रहने का अनुमान है। हालांकि कहीं-कहीं हल्के बादल दिखाई दे सकते हैं।

शाकाहारी चावल की जगह परोस दी मांसाहारी बिरयानी, होटल में हंगामा

डिप्टीगंज चौराहे के पास स्थित रेस्टोरेंट में सादा चावल की जगह मांसाहारी बिरयानी परोस दी गई। खाने में मीट का टुकड़ा मिलने को लेकर हंगामा हो गया।

होटल संचालक और उसके साथियों पर मारपीट, नकदी व सोने की चेन छीनने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इसकी वीडियो वायरल होने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। अधिवक्ता जितेंद्र कुमार छह मई की शाम अपने साथियों के साथ डिप्टीगंज स्थित रेस्टोरेंट में खाना खाने पहुंचे थे। इस रेस्टोरेंट पर मांसाहारी और शाकाहारी दोनों प्रकार का भोजन मिलता है। अधिवक्ता के अनुसार उन्होंने रेस्टोरेंट मालिक से शाकाहारी भोजन के बारे में पूछकर खाना मंगाया था। खाना खाते समय उनकी प्लेट में परोसे गए चावल के स्थान पर मांसाहारी बिरयानी परोस दी गई। खाना खाते वक्त चावल की प्लेट में मीट का टुकड़ा और हड्डी निकल आई। अधिवक्ता का आरोप है कि शिकायत करने पर होटल मालिक भड़क गया और जबरन वह खाना खाने का दबाव बनाने लगा। विरोध करने पर होटल संचालक और उसके 8-10 साथियों ने मारपीट कर दी। आरोप है कि इस दौरान उनकी जेब में रखे करीब 10 हजार रुपये और सोने की चेन भी छीन ली गई।पीड़ित पक्ष का कहना है कि घटना की वीडियो भी बनाई गई है, जिसमें खाने में मीट का टुकड़ा दिखाई दे रहा है। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पीड़ित ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

महिला अस्पताल की खुली पोल

औचक निरीक्षण में डॉक्टर गायब, मरीज बेहाल... बाहर से दवाइयां और जांच कराने को मजबूर महिलाएं

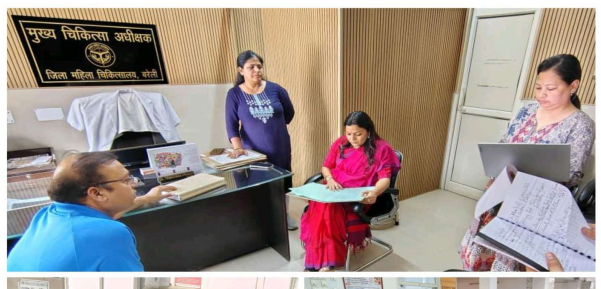

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । जिला महिला चिकित्सालय में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूर्णिमा सिंह के नेतृत्व में प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की कई बड़ी लापरवाहियां सामने आईं। जांच टीम में उप जिलाधिकारी न्यायिक मीरगंज निधि डोडवाल, अपर उपजिलाधिकारी सदर मल्लिका नैन, जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राना और सहायक निदेशक मत्स्य गायत्री पाण्डेय भी शामिल रहीं।

निरीक्षण में सबसे बड़ा खुलासा तब हुआ जब महिला चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक त्रिभुवन प्रसाद ड्यूटी से गायब मिले। इतना ही नहीं, ड्यूटी रोस्टर में तैनात गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. शमी और डॉ. मिनाक्षी भी अनुपस्थित पाई गईं। नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ के कई कर्मचारी भी ड्यूटी से नदारद मिले।

अल्ट्रासाउंड विभाग में मरीजों के आने-जाने का कोई वैध रजिस्टर नहीं मिला। मौके पर मौजूद रेडियोलॉजिस्ट डॉ. सी.पी. सिंह भी संतोषजनक जवाब नहीं दे सके, जिस पर संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

अस्पताल में मरीजों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतें भी सामने आईं। अल्ट्रासाउंड वार्ड में तैनात वार्ड सहायक नीलम यादव के खिलाफ कई मरीजों ने अभद्र व्यवहार की शिकायत की, जिस पर कार्रवाई के आदेश दिए गए।सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि अल्ट्रासाउंड कराने के लिए मरीजों को तीन महीने बाद की तारीख दी जा रही है। वहीं इमरजेंसी गेट पर न स्ट्रेचर मिला और न ही व्हीलचेयर। मरीजों की मदद के लिए कोई वार्ड सहायक या गार्ड भी मौजूद नहीं था।

निरीक्षण के दौरान मरीज तरनीम ने बताया कि उसकी पैथोलॉजी जांच अस्पताल में नहीं हो रही और बाहर से जांच कराने में 1700 रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। वहीं पूनम शुक्ला नाम की महिला मरीज ने आरोप लगाया कि अस्पताल में प्रोजेस्ट्रोन इंजेक्शन उपलब्ध नहीं था, जिसके चलते उन्हें बाहर से इंजेक्शन लगवाना पड़ा।

हेल्प डेस्क की शिकायत पंजिका में दर्ज शिकायतों के निस्तारण की स्थिति भी स्पष्ट नहीं मिली, जिस पर अधिकारियों ने व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश भी जारी किए

डायलिसिस की नई तकनीक बनी किडनी मरीजों के लिए उम्मीद की किरण

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। किडनी फेलियर से जूझ रहे मरीजों के लिए अब आधुनिक डायलिसिस तकनीक नई जिंदगी लेकर आई है। पहले जहां मरीजों को बार-बार अस्पताल जाना पड़ता था और सामान्य जीवन प्रभावित होता था, वहीं अब एडवांस डायलिसिस तकनीकों और पर्सनलाइज्ड ट्रीटमेंट से मरीज बेहतर और सामान्य जीवन जी पा रहे हैं। आधुनिक हीमोडायलिसिस मशीनें शरीर से अतिरिक्त फ्लूइड और विषैले तत्वों को सटीक तरीके से बाहर निकालती हैं। ब्लड प्रेशर और ब्लड फ्लो की लगातार मॉनिटरिंग से उपचार अधिक सुरक्षित और प्रभावी हो गया है।

डॉ. अनिल प्रसाद भट्ट ने बताया कि हीमोडायाफिल्ट्रेशन (HDF) जैसी नई तकनीक मरीजों में थकान, सिरदर्द और मांसपेशियों में ऐंठन जैसी समस्याओं को कम करने में मददगार साबित हो रही है। इससे मरीजों को बेहतर नींद, भूख और आराम महसूस होता है। उन्होंने बताया कि होम डायलिसिस और पेरिटोनियल डायलिसिस जैसी सुविधाओं से मरीज घर पर ही इलाज करा सकते हैं, जिससे नौकरी, पढ़ाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों को संभालना आसान हो जाता है। डॉक्टरों के अनुसार अब डायलिसिस केवल जीवन बचाने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि बेहतर जीवन गुणवत्ता देने वाला आधुनिक चिकित्सा सिस्टम बन चुका है। सही इलाज, खानपान और विशेषज्ञों की देखरेख से मरीज सामान्य जीवन के साथ सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय रह सकते हैं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं वे बालिकाओं को सुरक्षा सम्मान सरकारी योजनाओं के बारे में जागरुक कराया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / सिकंदर राजा / मुरादाबाद थाना मुगलपुरा

मिशन शक्ति अभियान के सम्बन्ध महिलाओं व बालिकाओं के साथ गोष्टी कर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे- विधवा पेंशन योजना वृध्दावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ,कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना , प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि से अवगत कराते हुए एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे - राजकीय जूनियर हाई स्कूल में महिलाओं को हेल्पलाइन नंबर वूमेन पावर लाइन-1090 घरेलू हिंसा हेल्पलाइन-181 पुलिस आपातकालीन सेवा -112 स्वास्थ्य सेवा-102,108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर -1076 चाइल्ड लाइन 1098 साइबर क्राइम 1930, आदि के बारे में जागरूक किया गया तथा साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई व पंपलेट वितरण किए गए MST 02 थाना मुगलपुरा जनपद मुरादाबाद

जनपद के कृषि स्नातकों हेतु स्वरोजगार का सुनहरा अवसर

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत -उप कृषि निदेशक राम मिलन सिंह परिहार ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा कृषि स्नातकों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि निवेश के साथ कृषि प्रसार सेवायें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वालम्वन (एग्रीजंक्शन) योजना जनपद में संचालित है।

पात्रता-जनपद में निवास करने वाले बेरोजगार जो कृषि एवं सहबद्ध विषयों यथा कृषि व्यवसाय प्रबन्धन, उद्यान, पशुपालन, वानिकी, दुग्ध, पशुचिकित्सा, मुर्गी पालन जो किसी राज्य/केन्द्रीय विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय से डिग्रीधारी हैं जो आई0सी0ए0आर0/यू0जी0सी0 द्वारा मान्यता प्राप्त हों, पात्र होंगे। आयु 40 वर्ष से अधिक न हो, अनुसूचित जाति, जनजाति एवं महिलाओं को आयु में अधिकतम 05 वर्ष की छूट। चयन प्रक्रिया-जनपद स्तर पर जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा चयन। आवेदन प्रक्रिया-आवेदनकर्ता द्वारा आवेदन कृषि विभाग की विभागीय वेबसाइट अथवा https://agriculture.up.gov.in/Agrijunction पर दिये गये लिंक के माध्यम से ऑनलाइन किया जायेगा। आवेदन करने की अन्तिम तिथि 30 मई 2026 निर्धारित है। आवेदन करने हेतु कोई भी शुल्क देय नहीं होगा। अधिक जानकारी के लिए उप कृषि निदेशक कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

15 दिन की ट्रेनिंग... और शुरू करें अपना खुद का कारोबार

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। अगर आप हुनर सीखकर खुद का रोजगार शुरू करना चाहते हैं, तो ये खबर आपके लिए बेहद खास है। उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड युवाओं को जरी-जरदोजी और दर्जी ट्रेड में फ्री ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाने जा रहा है। बरेली में जिला ग्राम उद्योग अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की कौशल सुधार प्रशिक्षण योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को 15 दिवसीय व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत जरी-जरदोजी ट्रेड में 25 और दर्जी ट्रेड में 50 अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार के लिए तैयार करना है, ताकि वे अपना खुद का उद्योग आसानी से स्थापित कर सकें। प्रशिक्षण पूरी तरह नि:शुल्क होगा और इसे मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र पिपरौला शाहजहाँपुर, तहसील, ब्लॉक एवं जनपद स्तर पर प्रशिक्षार्थियों की सुविधा के अनुसार आयोजित किया जाएगा। ग्राफिक्स/फुल स्क्रीन= आयु सीमा = 18 से 45 वर्ष आवश्यक दस्तावेज = आधार कार्ड राशन कार्ड/परिवार आईडी जाति प्रमाण पत्र शैक्षिक प्रमाण पत्र फोटो बैंक पासबुक अधिकारियों के अनुसार चयन प्रक्रिया स्कोर कार्ड के आधार पर होगी। इच्छुक अभ्यर्थी 20 मई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अगर आपके अंदर हुनर है और आप आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं, तो इस मौके को हाथ से न जाने दें। अभी आवेदन करें और अपने सपनों को नया उड़ान दें।

मुंडिया अहमदनगर में गरजा प्रशासन का बुल्डोजर, श्मशान का रास्ता कराया मुक्त

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / मजार और अवैध दीवारें ढहाकर खोला चकमार्ग = बीडीए ने अवैध कॉलोनी भी की ध्वस्त बरेली। थाना इज्जतनगर के गांव मुंडिया अहमदनगर (मजरा खेड़ा) में वर्षों से श्मशान भूमि के रास्ते पर काबिज अतिक्रमण को सोमवार को प्रशासन ने बुल्डोजर चलाकर जमींदोज कर दिया। बरेली-पीलीभीत हाईवे किनारे मजार और दीवारों की आड़ में बंद किए गए इस रास्ते को खुलवाने के लिए भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) ने लंबा संघर्ष किया था, जिसके आगे आखिरकार प्रशासन को झुकना पड़ा। वर्षों का विवाद, अंत्येष्टि में होती थी हीला-हुज्जत- मुंडिया अहमदनगर में श्मशान भूमि जाने वाले सरकारी चकमार्गों पर एक निजी कॉलेज और कुछ लोगों ने मकान बना लिए थे। हद तो तब हो गई जब हाईवे किनारे रास्ते पर मजार बनाकर उसे पूरी तरह ब्लॉक कर दिया गया। ग्रामीण सालों से निजी खेतों से होकर शव ले जाने को मजबूर थे। हाल ही में एक अंत्येष्टि के दौरान रास्ता रोके जाने पर काफी कहासुनी हुई, जिससे ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया। चढूनी गुट के आंदोलन से जागा प्रशासन- इस मुद्दे को लेकर भाकियू चढूनी के जिलाध्यक्ष केशव सिंह सोलंकी, अर्जुन यादव और राधेश्याम ने आर-पार की लड़ाई शुरू की थी। संगठन की ओर से दिए गए ज्ञापन, धरना-प्रदर्शन और भूख हड़ताल के बाद सोमवार को प्रशासनिक अमला गांव पहुंचा। नायब तहसीलदार विदित कुमार, कानूनगो जगदीश गंगवार, लेखपाल योगेंद्र कुमार व अनिल कुमार की मौजूदगी में बुल्डोजर ने कब्रिस्तान की दीवार और मजार के पास किए गए अवैध निर्माण को तोड़कर श्मशान का रास्ता साफ कर दिया।सुरक्षा के बीच चला पीला पंजा- कार्रवाई के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बैरियर टू चौकी प्रभारी मोहित कुमार और एसआई रोहन राणा भारी पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे। इस दौरान ग्राम प्रधान धर्मेंद्र पटेल और कोटेदार मनोहर लाल भी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने दबी जुबान से गांव की गुटीय राजनीति को इस अतिक्रमण का जिम्मेदार ठहराया और रास्ता खुलने पर भाकियू चढूनी को धन्यवाद दिया।बीडीए ने अवैध कॉलोनी पर भी की बड़ी कार्रवाई प्रशासनिक टीम जब श्मशान का रास्ता खुलवा रही थी, तभी निकट ही विकसित की जा रही एक अवैध कॉलोनी भी टीम की नजर में आ गई। बीडीए के जेई अजीत कुमार की देखरेख में बुल्डोजर ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अवैध कॉलोनी के निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। इस दोहरी कार्रवाई से पूरे क्षेत्र के भू-माफियाओं में हड़कंप मच गया।

यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट के प्रतिनिधि मंडल ने डी एम से की शिष्टाचार मुलाकात

पत्रकारों की समस्याओं से कराया अवगत

क्यूँ न लिखूँ सच / सिकंदर राजा / मुरादाबाद। यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के प्रतिनिधि मंडल ने नवनियुक्त जिला अधिकारी राजेंद्र पेंसिया से शिष्टाचार मुलाकात की और पत्रकारों की समस्याओं के संबंध में अवगत कराया।

अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन का प्रतिनिधिमंडल डिविजनल प्रेसिडेंट मोहम्मद जौनपुर की के नेतृत्व में जिला नवनियुक्त जिला अधिकारी राजेंद्र पेंसिया से मुलाकात की। इस दौरान डी एम को यूनियन की ओर से एक स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के मंडल अध्यक्ष मोहम्मद जान तुर्की ने यूनियन के संबंध में जिलाधिकारी को जानकारी दी । प्रतिनिधि मंडल में शामिल सभी पत्रकार साथी पत्रकारों का जिलाधिकारी से परिचय कराया यूनियन की ओर से जिला अधिकारी को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से यूनियन के जिला अध्यक्ष रईस शेख जाकिर अली बेग अब्दुल रहीम नफीस अहमद शहज़ेब अंसारी परवेज खान नईम चौधरी रामेन्द्र कुमार गुप्ता अनिल कुमार रामपाल सिंह मुअज्जम अली मुहम्मद नक़ी नासिर तुर्की मोहसिन सिद्दीकी आसिम खान मुहम्मद इमरान मुहम्मद जुबैर आदि मौजूद थे।

हसनपुर में अवैध क्लीनिक का बड़ा खुलासा! राशिद हेल्थ क्लीनिक बिना रजिस्ट्रेशन चल रहा, प्रसूता महिलाओं के ऑपरेशन तक होने के आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / ताज मलिक/ बोर्ड पर MBBS डॉक्टर नितिन कुमार का नाम-क्या वास्तव में मौजूद रहते हैं या सिर्फ नाम का इस्तेमाल जांच की उठी मांग हसनपुर (अमरोहा)= नगर के झम्मन लाल डिग्री कॉलेज मार्ग पर संचालित राशिद हेल्थ क्लीनिक पर गंभीर आरोप लगे हैं कि यह क्लीनिक बिना वैध पंजीकरण के संचालित किया जा रहा है, जबकि सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि बिना रजिस्ट्रेशन कोई भी अस्पताल या क्लीनिक चलाना कानूनन अपराध है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्लीनिक संचालक डॉक्टर राशिद खुलेआम यह दावा करते हैं कि उनके संबंध बड़े नेताओं और डॉक्टरों से हैं, जिसके चलते उनके खिलाफ कोई भी स्वास्थ्य विभाग का अधिकारी कार्रवाई नहीं कर सकता। इस बयान के बाद प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं मामला तब और गंभीर हो जाता है जब सूत्रों के अनुसार इस क्लीनिक में प्रसूता महिलाओं के ऑपरेशन तक किए जा रहे हैं। यदि यह सही है तो बिना अनुमति ऑपरेशन थिएटर चलाना और सर्जरी करना सीधे तौर पर कानून का उल्लंघन है और मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ भी वहीं क्लीनिक के बोर्ड पर MBBS डॉक्टर नितिन कुमार का नाम लिखा होने से एक नया सवाल खड़ा हो गया है क्या डॉक्टर नितिन कुमार वास्तव में इस क्लीनिक में नियमित रूप से उपस्थित रहते हैं या फिर उनका नाम केवल बोर्ड तक ही सीमित है क्या उनकी डिग्री का इस्तेमाल सिर्फ दिखावे के लिए किया जा रहा है अमरोहा जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इस गंभीर मामले पर क्या कदम उठाते हैं या फिर यह मामला भी पहुंच और प्रभाव के दबाव में दब जाएगा।

उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारी द्वारा जनपद बरेली में उपनिदेशक पंचायत बरेली

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविंद कुमार / पीलीभीत / मंडल बरेली महोदय शिष्टाचार मुलाकात की जिसमें जिला अधिक धर्मपाल सिंह जिला महामंत्री रामसेवक वाल्मीकि जिला संप्रेक्षक माजिद अली मंडल अध्यक्ष रविंद्र कश्यप एवं जिला अध्यक्ष बरेली रूपलाल जी मौजूद थे उपनिदेशक पंचायत को संगठन ने जनपद पीलीभीत की सफाई कर्मचारियों पर हो रहा उत्पीड़न एवं उनकी समस्याओं का ज्ञापन एवं मौखिक अवगत कराया 1=- यह कि जनपद में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की माह नवम्बर 2025 को द्वितीय ए0सी0पी0 देय हो चुकी है। जिसके कम में संघ के द्वारा कई बार इस सम्बन्ध में जिला पंचायत राज अधिकारी, महोदय को लिखित व मौखिक अवगत कराते हुए अनुरोध किया गया है कि जनपद में तैनात समस्त पात्र सफाई कर्मचारियों की द्वितीय ए0सी0पी0 स्वीकृत करने का कष्ठ करें। एवं कतिपय सफाई कर्मचारियों की जिनकी किसी कारणवश वर्ष 2019 में प्रथम ए0सी0पी0 स्वीकृत नही की गई थी उन्हे भी प्रथम ए0सी0पी0 का लाभ दिया जाये। परन्तु अभी तक हमारी द्वितीय ए0सी0पी0 स्वीकृत नही की गई है। जिससे हमें आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। 2=- यह कि अधिकतर हम लोगों की नियुक्ति माह नवम्बर, वर्ष 2009 में हुई थी एवं प्रथम ए0सी0पी0 का लाभ2019 देय था परन्तु प्रथम ए0सी0पी0 का लाभ 2020 में दिया गया था। प्रथम ए0सी0पी0 के उपरान्त होने वाले फिक्सेशन में वेतन विसंगति हुई है। जिस कारण हमारा वेतन गलत निर्धारित किया गया, अन्य जनपदों में हमारे साथ के ही तैनात सफाई कर्मचारियों की तुलना में जनपद पीलीभीत में तैनात सफाई कर्मचारियों को अधिक कम वेतन मिल रहा है। हमारी वेतन विसंगतियां दूर कराते हुए पुन: वेतन निर्धारित कर एरियर का भुगतान करने के सम्बन्ध में अनुरोध किया जा चुका है। अत: महोदय से अनुरोध है कि वेतन विसंगति के सम्बन्ध में अपने स्तर से अग्रिम कार्यवाही कराने का कष्ट करें। 3=- यह कि मृतक आश्रितों के बकाया देयकों का भुगतान एवं पेंशन का लाभ अभी तक नहीं मिल पा रहा है ऐसे मृतक अश्रितों को तक्काल मिलने वाले लाभ से लाभान्वित किया जाये। लाभ प्राप्त न होने के कारण उनके परिवारों को भरण-पोषण में समस्या का सामना करना पड रहा है।

विश्वकर्मा समाज पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं होगा, एकजुट होकर मुकाबला करने की ली शपथ

भाजपा मंत्री राजभर के खिलाफ किया निंदा प्रस्ताव

क्यूँ न लिखूँ सच / पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा की गाजीपुर में बही खून की बूंदें भाजपा के लिए बनेंगी अंगारा उरई (जालौन)। विश्वकर्मा समाज की एक आवश्यक बैठक अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के जिला अध्यक्ष महेश चंद्र विश्वकर्मा के नेतृत्व में झांसी रोड स्थित इंजीनियर अविनींद्र ओझा के आवास पर हुई।

जिसमें गाजीपुर में निशा विश्वकर्मा की हत्याकांड के मामले को लेकर भाजपा के मंत्री ओमप्रकाश राजभर के अभद्र बयान की घोर निंदा की गई और एक स्वर होकर भाजपा मंत्री ओमप्रकाश राजभर को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग भी उठाई। बैठक में विश्वकर्मा समाज के लोगों ने शपथ ली कि विश्वकर्मा समाज पर अन्याय व अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेंगे।अन्याय करने वालों को एकजुट होकर मुंहतोड़ जवाब देने का काम करेंगे। प्रदेश सचिव राम लाल विश्वकर्मा व नवीन विश्वकर्मा ने कहा कि गाजीपुर में निशा विश्वकर्मा हत्याकांड मामले में समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि मंडल के नेताओं और विश्वकर्मा समाज के एक बड़े पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा के ऊपर भाजपा के कथित गुंडे गांव के प्रधान प्रतिनिधि आशुतोष सिंह ने अपने गुर्गो के साथ मिलकर जानलेवा हमला किया। जिसमें पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा का सिर फट गया और जिस तरह से जमीन पर खून बहा। खून की एक एक बूंद भाजपा के लिए अंगारा बनने का काम करेगी। श्री विश्वकर्मा समाज सेवा समिति (मंदिर समिति उरई) के अध्यक्ष श्याम बाबू विश्वकर्मा , पदाधिकारियों में अविनींद्र ओझा,कैलाश विश्वकर्मा करमेर, अरविंद विश्वकर्मा वीरपुरा ने संयुक्त रूप से कहा कि पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा ने ही समाज को पहचान दी है और हमेशा सुख दुख में सहयोग करते रहते हैं। पूरा विश्वकर्मा समाज को एकजुट होकर उनके साथ खड़ा होगा। विश्वकर्मा ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष अमित विश्वकर्मा सिहारी/ उपाध्यक्ष पप्पू रूरा,युवा नेता आलोक विश्वकर्मा ऊमरी ने संयुक्त रूप से कहा अब समय आ गया है कि पूरे जिले का विश्वकर्मा समाज एकजुट हो और विश्वकर्मा समाज की मदद करने वाली समाजवादी पार्टी को विधानसभा चुनाव 2027 में वोट देकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाए तभी विश्वकर्मा समाज को सुरक्षा और सम्मान मिल सकेगा।

अयोध्या विश्वकर्मा धनौरा विधानसभा अध्यक्ष उरई और विनोद विश्वकर्मा मंगरौल विधानसभा अध्यक्ष कालपी, नगर अध्यक्ष उरई दुलीचंद विश्वकर्मा राजेन्द्र विश्वकर्मा ब्लाक अध्यक्ष कुठौंद ने कहा कि वे गांव गांव जाकर विश्वकर्मा समाज को भाजपा सरकार में हो रहे विश्वकर्मा समाज के उत्पीड़न और अन्याय के बारे बताकर जागरूक करेंगे। अंत में अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के जिला अध्यक्ष एवं बुंदेलखंड प्रभारी महेश चंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि गाजीपुर जिले में निशा विश्वकर्मा की हत्या के मामले को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के द्वारा भेजे गए डेलीगेट पर गांव के प्रधान आशुतोष सिंह उर्फ आशू व उसके गुर्गों ने जो जानलेवा हमला किया है उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और निशा विश्वकर्मा के परिवार को सुरक्षा और न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा समाज के संकट में हमेशा समाजवादी पार्टी ने साथ दिया है और किसी दूसरे दल ने कभी भी विश्वकर्मा समाज का साथ नहीं दिया है। उन्होंने विश्वकर्मा समाज के लोगों से अपील की है कि वे एक साथ मिलकर 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ वोट करेंगे और समाजवादी पार्टी का साथ देकर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनायेंगे। इस मौके पर श्याम बाबू विश्वकर्मा, रामलाल विश्वकर्मा, नवीन विश्वकर्मा, अमित विश्वकर्मा, दुलीचंद विश्वकर्मा ,अयोध्या विश्वकर्मा, गोविंद विश्वकर्मा, दयाशंकर विश्वकर्मा ,देवेश विश्वकर्मा, संजय विश्वकर्मा, अवनींद्र ओझा, राजेंद्र विश्वकर्मा, मनीष विश्वकर्मा ,आलोक विश्वकर्मा, आसाराम विश्वकर्मा, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, मनमोहन विश्वकर्मा ,शैलेंद्र विश्वकर्मा ,गौरव विश्वकर्मा ,राम शंकर ओझा ,जलज विश्वकर्मा, दीपेश विश्वकर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा ,मनोज विश्वकर्मा, विनोद विश्वकर्मा ,अशोक विश्वकर्मा, संजय विश्वकर्मा ,कैलाश बाबू विश्वकर्मा, हर्षद विश्वकर्मा, प्रदीप विश्वकर्मा, प्रमोद विश्वकर्मा, अरविंद विश्वकर्मा, सहित तमाम विश्वकर्मा समाज के लोग मौजूद थे।

इंद्रजीत की रहस्यमयी मौत: पेड़ से लटकी मिली लाश, कटी हुई थी हाथ की नस; मामा ने मरने के पीछे बताई एक अलग वजह

मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि इंद्रजीत ने फांसी लगाने से पहले अपने हाथों की नसें काटने का भी प्रयास किया था, क्योंकि उसके हाथों फरीदाबाद स्थित एसजीएम नगर केसी सिनेमा रोड के पास मिला। राहगीरों ने जब जंगल इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस और फोरेंसिक विशेषज्ञों इंद्रजीत- मृतक की पहचान 35 प्रदेश के हाथरस जिले का रहने एसजीएम नगर इलाके में अपने रहा था। पुलिस ने शव को भिजवा दिया है।बिना बताए के अनुसार, इंद्रजीत रविवार था। जब वह देर शाम तक वापस ने अपने स्तर पर सगे-संबंधियों की, लेकिन उसका कोई सुराग

पर गहरे जख्म के निशान मिले हैं।हरियाणा के थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एनआईटी-पांच स्थित सोमवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटका के इलाके में पेड़ से शव को लटका देखा, तो तुरंत पुलिस को दी। सूचना मिलते ही एसजीएम नगर थाना की टीम मौके पर पहुंची।हाथरस का रहने वाला था वर्षीय इंद्रजीत के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उत्तर वाला था। वह पिछले कुछ समय से फरीदाबाद के माता-पिता और भाई के साथ किराये के मकान में रह कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल निकला था घर से बाहर- परिजनों से मिली जानकारी दोपहर करीब दो बजे बिना कुछ बताए घर से निकला नहीं लौटा, तो परिवार वालों को चिंता हुई। परिजनों और आसपास के इलाकों में उसकी काफी तलाश नहीं मिला। सोमवार सुबह करीब 9-30 बजे पुलिस को सूचना मिली कि केसी सिनेमा रोड के पास स्थित जंगल क्षेत्र में एक व्यक्ति का शव फंदे से लटका हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जब जांच शुरू की, तो मृतक की पहचान इंद्रजीत के रूप में हुई। फांसी लगाने से पहले काटी हाथ की नस- मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि इंद्रजीत ने फांसी लगाने से पहले अपने हाथों की नसें काटने का भी प्रयास किया था, क्योंकि उसके हाथों पर गहरे जख्म के निशान मिले हैं। मृतक के मामा ने बताया कि इंद्रजीत लंबे समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था और उसका उपचार भी चल रहा था। मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह कोई काम-धंधा नहीं करता था और ज्यादातर समय घर पर ही रहता था। रविवार को वह अचानक घर से निकल गया और सोमवार को उसकी मौत की खबर मिली। पुलिस का बयान- एसजीएम नगर थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि सोमवार सुबह पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना मिली थी कि जंगल में एक युवक ने पेड़ से लटककर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शव को पेड़ से नीचे उतरवाया। शुरुआती साक्ष्यों और परिजनों के बयानों के आधार पर यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बादशाह खान सिविल अस्पताल के शव गृह में रखवा दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में सीआरपीसी की धारा 174 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों और समय का पूरी तरह से खुलासा हो पाएगा। फिलहाल पुलिस मृतक के मोबाइल फोन और अन्य पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच को आगे बढ़ा रही है।

सेकंड्स में लैपटॉप चोरी करने वाला गिरोह गिरफ्तार, एक टॉर्च और एक पॉकेट में रखी मशीन होता हथियार

आरोपी रात के समय चोरी की मोटरसाइकिल का इस्तेमाल करते थे। वे रेस्टोरेंट, मॉल और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर खड़ी गाड़ियों को निशाना बनाते थे। छोटी टॉर्च से गाड़ी के अंदर रखे लैपटॉप बैग की पहचान करते थे। इसके बाद शीशा तोड़ने वाली लैपटॉप चुरा लेते थे।गौतमबुद्धनगर पुलिस ने लैपटॉप सेक्टर-113 पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों लैपटॉप और अन्य सामान बरामद किया है।पहले से और गोपनीय सूचना के आधार पर ग्राम सोरखा से पास से 31 लैपटॉप, तीन लैपटॉप बैग, चोरी में इस्तेमाल मिली। इसके अलावा, एक हेल्थ कार्ड, 14000 रुपये बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ अंकित यादव (24) ग्राम पतवाड़ी, थाना बिसरख के का रहने वाला है और वर्तमान में सादुल्लापुर, थाना से सक्रिय था।चोरी का तरीका- आरोपी रात के समय और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर खड़ी गाड़ियों को

पोर्टेबल मशीन से गाड़ी का शीशा तोड़कर कुछ ही सेकंड में चोरी करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। थाना को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 31 चोरी के दर्ज हैं 10 मुकदमे- पुलिस ने 11 मई 2026 को मैनुअल इंटेलिजेंस लविश कुमार, अंकित यादव और राजेंद्र वर्मा को पकड़ा। इनके होने वाले उपकरण जैसे टॉर्च और शीशा तोड़ने वाली पॉकेट मशीन नकद और फर्जी नंबर प्लेट लगी एक चोरी की मोटरसाइकिल भी विभिन्न थानों में 10 मुकदमे दर्ज हैं। लविश कुमार (22) और निवासी हैं। राजेंद्र वर्मा (40) ग्राम गनीपुर, थाना पीपरपुर, अमेठी इकोटेक-3 में रहता है। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह लंबे समय चोरी की मोटरसाइकिल का इस्तेमाल करते थे। वे रेस्टोरेंट, मॉल निशाना बनाते थे। छोटी टॉर्च से गाड़ी के अंदर रखे लैपटॉप बैग की पहचान करते थे। इसके बाद शीशा तोड़ने वाली पोर्टेबल मशीन से गाड़ी का शीशा तोड़कर कुछ ही सेकंड में लैपटॉप चुरा लेते थे। चोरी किए गए लैपटॉप को सुनसान जगहों पर छिपाकर रखते थे और मौका मिलने पर बेच देते थे। बरामदगी और आपराधिक इतिहास- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 31 चोरी के लैपटॉप बरामद किए हैं। इसके साथ ही तीन लैपटॉप बैग, चोरी में प्रयुक्त टॉर्च और शीशा तोड़ने वाली पॉकेट मशीन भी मिली है। 14000 रुपये नकद और फर्जी नंबर प्लेट लगी एक चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। आरोपियों के खिलाफ थाना सेक्टर-113, बीटा-2, सेक्टर-39 और सूरजपुर सहित विभिन्न थानों में 10 आपराधिक मामले दर्ज हैं। ये मामले भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत पंजीकृत हैं।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती दो अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो युवकों ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं परिजनों में हाहाकार मचा है। एक युवक के यहां शादी है। जिसका कार्ड बांटने के लिए युवक जा रहा था। लेकिन रास्ते में हादसे का शिकार हो गया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम शिवगढ़ कला निवासी प्रमोद कुमार वर्मा (27) पुत्र आत्माराम वर्मा के बहन की शादी 13 मई को है। बहन की शादी का कार्ड बांटने के लिए प्रमोद बाइक से जा रहा था। दोपहर में वह बाइक से कानीबोझी की ओर किसी रिस्तेदार के यहां कार्ड देने जा रहा था। जैसे ही वह बाइक लेकर जंगल के पास स्थित गद्दीपुरवा बैराज पहुंचा। इस दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में सामने से टक्कर मार दी। टक्कर तेज होने के कारण वह बाइक सहित सड़क पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। लोगों की ओर से एम्बुलेंस को सूचना दी गई। युवक रतनापुर के पास घायल मिले युवक ने अस्पताल में तोड़ा दम रतनापुर में दुर्घटना के बाद घायलों को अस्पताल ले जाते पुलिस कर्मी। पर घटनास्थल पर पहुंची एम्बुलेंस से घायल प्रमोद को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मल्हीपुर पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची मल्हीपुर पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भिनगा भेज दिया। युवक की मौत के परिजनों में कोहराम मच गया। इसी तरह से बहराइच जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र स्थित सच्चा आश्रम टेपरा निवासी नारायण (42) पुत्र बिरजा की ससुराल सोनवा थाना क्षेत्र के दुर्गापुर गांव निवासी मनऊ राम के यहां है। रात वह दुर्गापुर निवासी विनोद कुमार की बहन रीता देवी के विवाह में बाराती बनकर आया था। यहां बारात में शामिल होकर मध्य रात के बाद वह पिकअप से वापस घर लौट रहा था। लेकिन सुबह लोगों को बरदेहरा मोड़ के निकट डिवाइडर के पास लहुलुहान हालत में मिला। सूचना पर पहुंची सोनवा पुलिस ने पहचान कराया तो युवक की पहचान नारायण के रूप में हुई। पुलिस ने उसे एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस की सूचना पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम शिवगढ़ कला निवासी प्रमोद कुमार वर्मा के बहन निशा देवी की शादी 13 मई को है। घर में शादी की खुशियां फैली थीं मल्हीपुर थाना प्रभारी ने ट्रक का नंबर पता चलने और जल्द ट्रक चालक पर कार्रवाई करने की बात कही है। थाने पर ट्रक चालक के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

यूपी में हादसा: कैप्सूल ट्रक से टकराकर उड़े ऑटो के परखच्चे, चपेट में आईं छह महिलाएं

हादसा देहरा स्थित एक बिस्कुट फैक्टरी के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद सड़क पर चीख-पुकार मच गई।यूपी के हापुड़ स्थित धौलाना-मसूरी मार्ग पर देहरा गांव के पास सोमवार को ट्रक और ऑटो की आमने-सामने की भिड़ंत

में छह महिलाएं घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद घायलों को ऑटो से बाहर निकालकर एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने तीन महिलाओं की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें मेरठ के हायर सेंटर रेफर कर दिया।हादसा देहरा स्थित एक बिस्कुट फैक्टरी के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद सड़क पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने सभी घायलों को धौलाना सीएचसी पहुंचाया।घायलों में आरती (28) निवासी शेखूपुर खिचरा, सलमा (40), गुलअफशा (25) और शबाना (35) निवासी हुसैनपुर गुलावठी, जबकि नफीसा (52) और मुनीजा (56) निवासी देहरा शामिल हैं। चिकित्सकों के अनुसार नफीसा, मुनीजा और आरती की हालत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद मेरठ रेफर किया गया है।हादसे के चलते धौलाना-मसूरी मार्ग पर लंबा जाम लग गया। मौका पाकर ट्रक और ऑटो चालक वाहन छोड़कर फरार हो गए।

शासकीय सांदीपनि विद्यालय की अनूठी पहल: 20 दिवसीय ऑन जॉब ट्रेनिंग से निखर रहा छात्रों का हुनर

क्यूँ न लिखूँ सच / अनिल कुमार /गंज बासौदा - गंज बासौदा के राजेंद्र नगर में स्थित शासकीय सांदीपनि विद्यालय ने अपने विद्यार्थियों में विभिन्न क्षेत्रों में कौशलता का निखारने एवं आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए एक अच्छी पहल चलाई जा रही हैं द्य जो सकारात्मक चर्चाओं का विषय बना हैं इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर एवं रिटेल ट्रेड में छात्र छात्राओं को 20 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।राजेंद्र नगर स्थित शासकीय सांदीपनि विद्यालय के कक्षा-10वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं को ऑन जॉब ट्रेनिंग दी जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर के छात्र-छात्राओं को सॉफ्ट तेच आईटीआई कॉलेज बासौदा पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है एवं रिटेल ट्रेड के छात्र-छात्राओं को साहू एंड साहू फर्नीचर एण्ड इलेक्ट्रॉनिक शोरूम बासौदा पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसकी निगरानी प्रशिक्षक रघु रघुवंशी एवं अनिल अहिरवार द्वारा की जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर के

छात्र-छात्राओं के द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स रिपेरिंग एवं असेम्बलिंग का कार्य सीख रहे हैं एवं रिटेल के छात्र व्यापार कैसे करें, व्यापार में प्रतिस्पर्धा एवं ग्राहकों को आकर्षित करने के तरीके सिखाए जा रहे हैं।

प्रशिक्षण का उद्देश्य है कि छात्र-छात्राएं भविष्य में स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकें। विद्यालय प्राचार्य श्री महेंद्र सिंह रघुवंशी एवं व्यवसायिक प्रभारी श्री प्रवीण शुक्ला ने प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचकर जानकारी ली तथा छात्र-छात्राओं से प्रशिक्षण के बारे में जाना। यह प्रशिक्षण सॉफ्ट तेच आईटीआई संचालक श्री श्री पंकज सोनी एवं साहू एंड साहू फर्नीचर एण्ड इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के संचालक श्री दर्शन राज साहू जी के द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ व्यवसायिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि भविष्य में नौकरी न मिलने की स्थिति में छात्र-छात्राएं स्वयं का रोजगार शुरू कर सकें एवं दूसरों को रोजगार भी दे सकें। सांदीपनि विद्यालय की ये अनूठी पहल बताई जा रही हैं क्षेत्र में सकारात्मक चर्चाओं का विषय बना हैं इस पहल की सभी प्रशंसा कर रहे हैं द्य

दीपक सेंगर की दूरदर्शी सोच: शाइनिंग स्टार पब्लिक स्कूल ऊमरी में संवर रहा ग्रामीण बच्चों का भविष्य

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रबंधक दीपक सेंगर की दूरदर्शी सोच बना रही गाँव के बच्चों का भविष्य उज्ज्वल, ऊमरी क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से उभर रहे शाइनिंग स्टार पब्लिक स्कूल ऊमरी ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट वार्षिक परीक्षा परिणामों से लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। विद्यालय में आयोजित परिणाम वितरण समारोह में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का उत्साह देखने लायक रहा।

विद्यालय के प्रबंधक दीपक सेंगर की सोच आज क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। उनका सपना है कि गाँव के बच्चों को भी वही आधुनिक, स्मार्ट एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले जो बड़े शहरों के महंगे स्कूलों में दी जाती है। इसी उद्देश्य के साथ विद्यालय में आधुनिक शिक्षण पद्धति, अनुशासन, अंग्रेजी शिक्षा एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास

पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रबंधक दीपक सेंगर का मानना है कि अगर सही मार्गदर्शन और बेहतर शिक्षा गाँव में ही उपलब्ध हो जाए, तो ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी किसी से कम नहीं हैं। उनकी इसी दूरगामी एवं सकारात्मक सोच के कारण अभिभावकों का विश्वास लगातार विद्यालय की ओर बढ़ रहा है।क्षेत्र के लोगों का कहना है कि कम समय में विद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में जो पहचान बनाई है, वह प्रबंधक की मेहनत, लगन और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति समर्पण का परिणाम है। अभिभावकों ने विद्यालय की पढ़ाई एवं अनुशासन की खुलकर सराहना की। विद्यालय प्रबंधक द पक सेंगर ने भविष्य में शिक्षा के स्तर को और ऊँचा उठाने तथा नई शाखाएँ खोलकर अधिक से अधिक ग्रामीण बच्चों तक आधुनिक शिक्षा पहुँचाने की योजना भी व्यक्त की है।

संक्षिप्त समाचार

भारत-नेपाल सीमा स्तंभों की मरम्मत एवं पुनर्निमाण को लेकर संयुक्त निरीक्षण एवं समन्वय बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती दुर्गेश नंदन पाठक, डायरेक्टर ऑफ सर्वे के नेतृत्व में भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में नेपाल द्वारा किये जा रहे विषम सीमा स्तंभों की मरम्मत एवं पुनर्निमाण के कार्य का संयुक्त

निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर भारत की ओर से पी.के. आर्या, डिप्टी सुप्रिटेंडेंट सर्वेयर एवं उनकी टीम, अमरेंद्र कुमार वरुण, कमांडेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा सहित एसएसबी के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं नेपाल राष्ट्र की ओर से सुशील डोंगल, डिप्टी डायरेक्टर जनरल, रमेश ग्यावली, चीफ सर्वे ऑफिसर एवं उनकी टीम तथा नेपाल सशस्त्र पुलिस बल (APF) के अधिकारी मौजूद रहे। इसके उपरांत सीमा चौकी सुईयां में दुर्गेश नंदन पाठक, डायरेक्टर ऑफ सर्वे की अध्यक्षता में भारत एवं नेपाल के सर्वे दलों तथा सुरक्षा बलों के अधिकारियों के मध्य भारत-नेपाल विषम व सम सीमा स्तंभों की मरम्मत, पुनर्निमाण एवं सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक भी आयोजित की गई। बैठक के दौरान सीमा स्तंभों की स्पष्टता, स्थिरता एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए दोनों देशों के मध्य आपसी समन्वय, सहयोग एवं निरंतर संवाद को और अधिक सुदृढ़ करने पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। अधिकारियों ने सीमा क्षेत्र में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखते हुए संयुक्त रूप से कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर 62वीं वाहिनी एसएसबी, भिनगा से श्री पीयूष सिन्हा उप कमांडेंट, गोवर्धन पुजारी उप कमांडेंट सहित अन्य अधिकारी एवं जवान तथा नेपाल,[illegible] के लाल सिंह विष्ट, डीएसपी व अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

गांव की चौपाल से ज्ञान की अलख तक पहुँचे पूर्व आईपीएस राजेश पाण्डेय

क्यूँ न लिखूँ सच / यूपीडा एवं पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के नोडल सिक्योरिटी ऑफिसर तथा पूर्व आईपीएस अधिकारी राजेश पाण्डेय ने जनपद जालौन के ग्राम चमारी पहुंचकर सामाजिक एवं शैक्षिक जागरूकता का प्रेरणादायी संदेश दिया। उन्होंने गांव स्थित माता प्रसाद पुस्तकालय में अपनी पुस्तक वर्चस भेंट कर युवाओं और विद्यार्थियों को ज्ञान, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पूर्व आईपीएस राजेश पाण्डेय ने कहा कि पुस्तकें केवल जानकारी का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि वे व्यक्तित्व निर्माण और समाज को सही दिशा देने का सबसे सशक्त साधन हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुस्तकालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यही स्थान युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने का

कार्य करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि जीवन में सफलता केवल संसाधनों से नहीं, बल्कि निरंतर अध्ययन, आत्मविश्वास और मेहनत से प्राप्त होती है। वर्चस पुस्तक के माध्यम से उन्होंने युवाओं को सकारात्मक जीवन मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को समझने का संदेश दिया।ग्रामवासियों एवं पुस्तकालय से जुड़े लोगों ने पूर्व आईपीएस अधिकारी का गर्मजोशी से स्वागत किया और पुस्तक भेंट को गांव के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी पहल बताया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, पठन-पाठन और ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने को लेकर सार्थक चर्चा भी हुई।ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे प्रेरक व्यक्तित्व का गांव में आगमन युवाओं में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करता है।

ग्राम रबा के डीपीएन पब्लिक स्कूल में एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन ने लोगो की समस्याओं को सुना

क्यूँ न लिखूँ सच / कोंच(जालौन) आज तहसील कोंच के रबा में स्थित डीपीएन पब्लिक स्कूल में भारतीय जनता पार्टी की एमएलसी रमा निरंजन के प्रतिनिधि आरपी निरंजन ने रविवार को एक जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया इस जन सुनवाई कार्यक्रम में कई जगहों से लोगो ने अपनी अपनी समस्याओं से अवगत कराया इस पर जन सुनवाई कार्यक्रम में आये लोगों की जन समस्याओं को गम्भीरता से लेते हुये एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन ने मौके पर समस्याओं से संबंधित विभागीय अधिकारियों से बात कर समस्या निपटाने का कार्य किया इस जन सुनवाई कार्यक्रम में आरपी निरंजन ने कहा कि लोगों की जन समस्याओं को सुनना हर जन प्रतिनिधि का कार्य है उन्होंने कहा कि जन सेवा करना मेरा परम धर्म और कर्तव्य है उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहता है कि कोई भी व्यक्ति अगर

समस्या लेकर उनके पास आता है तो वह तत्काल समस्या के समाधान का प्रयास करते है और बिना भेदभाव के सबका काम करते है उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार हर व्यक्ति को लाभ देने का कार्य कर रही है उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास कार्य तेजी से किए जा रहे है और सरकार की योजनाओं का लाभ सभी पात्र लोगों को दिया जा रहा है उन्होंने कहा कि जनता के लिये उनके दरबाजे दिन रात खुले है जब कोई समस्या है तो समय पर अवगत कराए वह सेवक है इस अवसर पर प्रधान पचीपुरा कलां नंद किशोर पटेल नगर पालिका परिषद कोंच के सभासद और एमएलसी आरपी निरंजन के अत्यंत नजदीकी शादाब अंसारी महेंद्र निरंजन मिस्टर धनोरा रबा गांव के प्रधान मुलायम सिंह कुशवाहा पचीपुरी ग्राम के प्रधान अवधेश पटेल चमरसेना गांव के प्रधान देवेंद्र निरंजन देबू राहुल पटेल भदौरिया दिरावटी हरिश्चंद्र पटेल सदुपुरा भारतीय किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष चतुरसिंह पटेल तहसील महासचिव डा पीड़ी निरंजन शिवराम निरंजन राजवीर सिंह कूड़ा सहित कई लोग मौजूद रहे

नटेरन में रघुवंशी समाज की बैठक सम्पन्न श्री राम परमार्थ सेवा ट्रस्ट नटेरन का हुआ गठन

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ नटेरन। रघुवंशी समाज जिला अध्यक्ष मोहर सिंह रघुवंशी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन नटेरन में बड़े ही उत्साह एवं धार्मिक वातावरण में सम्पन्न हुआ।

बैठक की शुरुआत प्रभु श्रीराम के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं तिलक लगाकर जय श्रीराम के जयघोष के साथ की गई। बैठक में समाज की एकता, सामाजिक उत्थान एवं धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा देने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इसी दौरान सर्वसम्मति से श्री राम परमार्थ सेवा ट्रस्ट नटेरन का गठन किया गया। ट्रस्ट का उद्देश्य समाज सेवा, धार्मिक आयोजनों एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता करना बताया गया।ट्रस्ट में सर्व

सहमति से अध्यक्ष भगत सिंह रघुवंशी (अंडिया),सचिव रामकृष्ण रघुवंशी(नटेरन), उपाध्यक्ष प्यार सिंह करैया (नटेरन) उपाध्यक्ष वीर सिंह रघुवंशी (रायपुर),सह सचिव राजाराम रघुवंशी (तिला खेजड़ा),सह सचिव निरंजन सिंह (मूडरा),कोषाध्यक्ष नीलेश रघुवंशी (नटेरन),को बनाया गया।श्री रघुवंश परमार्थ सेवा ट्रस्ट अयोध्या के अध्यक्ष प्रताप सिंह (मानौरा),पूर्व सचिव मोहर सिंह (मानौरा), प्राण सिंह भोला

बैठक में उपस्थित रहे समाजजनों ने ट्रस्ट के माध्यम से शिक्षा, संस्कार, सेवा एवं धार्मिक कार्यक्रमों को निरंतर संचालित करने का संकल्प लिया।

समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं ने संगठन को मजबूत बनाने और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने की बात कही।आभार व्यक्त नटेरन जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी ने किया।कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने समाज हित में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया तथा आगामी गतिविधियों की रूपरेखा भी तैयार की गई। बैठक में बड़ी संख्या में रघुवंशी समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।बैठक में गोपाल पटेल बृजेंद्र रघुवंशी वीर सिंह पहलवान सिंह संतोष पटेल रामसेवक रघुवंशी आदि मौजूद रहे

62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा द्वारा मानव तस्करी की शिकार युवती का सकुशल रेस्क्यू

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के अंतर्गत सीमा चौकी ककरदरी की स्पेशल पेट्रोलिंग के दौरान सीमा स्तम्भ संख्या 640/05 के नजदीक एसएसबी जवानों द्वारा नेपाल की ओर से आ रही एक संदिग्ध महिला को रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान महिला ने अपना नाम सोनिया भाटी, पिता देशराज भाटी, उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम साकीपुर, जिला ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.) बताया।

महिला ने बताया कि लगभग 04 माह पूर्व उसकी मौसी के गाँव में रहने वाली भाभी के भाई ने उसे शादी का झांसा देकर थाना मल्हीपुर क्षेत्र में लाकर बंधक बना लिया तथा उसका शोषण किया। कुछ समय

बाद उस व्यक्ति ने उसे किसी अन्य व्यक्ति को सौंप दिया, जिसने भी उसके साथ शोषण किया। इसके उपरांत लगभग 01 माह पूर्व उसे नेपाल के मटेहिया गाँव में बेच दिया गया, जहाँ उसके साथ लगातार मारपीट एवं शोषण किया गया। महिला ने बताया कि दिनांक 10.05.2026 को मौका पाकर वह उनके चंगुल से भाग निकलने में सफल रही।

कंपनी कमांडर अमित शर्मा, सहायक कमांडेंट द्वारा महिला के घर का मोबाइल नंबर लेकर उसके भाई अरुण से संपर्क किया गया। बातचीत के दौरान उसके भाई ने बताया कि उसकी बहन पिछले लगभग 04 माह से लापता थी तथा उसकी गुमशुदगी की सूचना डायल 112 के माध्यम से पुलिस को दर्ज कराई गई थी। पूछताछ के उपरांत मामला मानव तस्करी से संबंधित पाए जाने पर युवती को [illegible] देहात इंडिया एवं एएचटी पुलिस भिनगा की उपस्थिति में आवश्यक विधिक कार्यवाही हेतु थाना मल्हीपुर को सुपुर्द कर दिया गया। इस प्रकार सीमा चौकी ककरदरी के एसएसबी जवानों ने सतर्कता एवं तत्परता का परिचय देते हुए मानव तस्करी की शिकार युवती का सकुशल रेस्क्यू कर सराहनीय कार्य किया।

Why is summer skincare incomplete without double cleansing? Knowing the benefits, you'll definitely incorporate it into your routine.

We often buy expensive serums, but forget that without deep cleansing, no glow will last. With the arrival of summer, sweat, dust, and stickiness wreak havoc on our skin. Therefore, we lather our skin with sunscreen to protect it from the sun. But have you ever considered that all the dirt, pollution, and waterproof sunscreen from the day can be removed with just one face wash? The answer is: absolutely not! This is where double cleansing comes into play, which has become a crucial part of skincare these days. What is this 'double cleansing'? The name itself suggests it means cleansing your face twice, but it doesn't mean you simply rinse your face with your normal face wash twice. There's a proper way: Step 1: Massage your face with an oil-based cleanser, cleansing balm, or micellar water. Oil cuts through oil, so this cleanser easily dissolves and removes waterproof makeup, sunscreen, and the skin's natural oils. Step 2: Follow this with your regular water-based face wash. This thoroughly removes any remaining sweat, dust, and traces of the first cleanser from the skin's surface. The incredible benefits of double cleansing in summer: Summer brings increased sweat and oil production, so double cleansing is nothing short of magical. Let's explore its benefits: Sunscreen and makeup banishment: The waterproof sunscreen and sweat-proof makeup we use in summer can be very stubborn. Regular face washes can't fully remove them. Double cleansing helps flush out any dirt trapped in the skin's pores. Preventing Pimples and Acne: When sweat, dust, and oil accumulate in our skin's pores, blackheads and pimples begin to appear. Double cleansing penetrates deep into the pores, significantly reducing the risk of acne. Skincare Products Show Better Effects: If your skin isn't clean from within, no matter how expensive a serum or cream you apply, it won't be of any use. When skin is completely clean, serums and moisturizers penetrate deeply and are twice as effective. Glowing and Fresh Skin: When the day's fatigue and pollution are completely removed from the face, the skin begins to breathe freely. This eliminates dullness and brings a natural, healthy glow to the face. When and How to Start? If you haven't tried it yet, definitely incorporate it into your nighttime skincare routine today. Sleeping after cleansing the day's dirt gives the skin a chance to repair itself overnight.

How does Hantavirus spread through the air? It's not as dangerous as COVID, just avoid these 3 mistakes.

The outbreak of Hantavirus on an Atlantic cruise ship has resulted in three deaths, prompting the WHO to warn 12 countries. This virus spreads through rat feces, not humans, and cleanliness and distance from rats are essential to prevent it. The recent outbreak of Hantavirus on an Atlantic cruise ship has raised concerns worldwide. Three people have died so far due to this virus. Health departments worldwide have been on alert since this case surfaced. The WHO has also issued a warning for 12 countries. This virus is not a new coronavirus - With the emergence of this virus, people are wondering if this is a new pandemic. However, the WHO has clarified that the risk to the general public is negligible, as Hantavirus does not spread like COVID-19. In such a situation, the question arises: how does this virus spread? How does Hantavirus target victims? that the main source of this infection is not humans, Dr. Aravinda S.N. (Lead Consultant - Internal but rats. When infected rats excrete feces, urine, or saliva in a closed or poorly ventilated space, such as an old shed, storeroom, or tent, the virus dissolves into fine particles in the air. When a person breathes in, they become infected. Even on cruise ships, the disease spreads not through direct human contact, but due to poor maintenance and the presence of rats. Important guidelines for travelers: Those who frequently trek, camp, or spend time in rural areas (especially in the wilderness areas of Argentina and Chile) need to be extra cautious. If you have returned from an affected area, monitor your health for the next few weeks. If you experience high fever, fatigue, or difficulty breathing, immediately inform your doctor about your travel history. Simple ways to prevent hantavirus: Staying safe from it is very easy. Keep your home and kitchen away from rats. Avoid using a dry broom or vacuum cleaner to clean rat droppings, as this can cause the virus to spread into the air. Always wear gloves and a mask, spray disinfectant on the mess, and then clean with a damp cloth. A little common sense is your best weapon against this disease.

Will chemotherapy destroy fertility? A doctor reveals 5 things to know about early breast cancer treatment.

A diagnosis of early breast cancer in young women raises many questions about their future and fertility. Dr. Bhuvan Chugh explains that modern treatment involves more than just curing the disease, but also preserving fertility and leading a normal life. Will I be able to become a mother in the future? What will happen to my career? Will this disease return again?" Such questions arise in the mind when a woman is diagnosed with 'early breast cancer' in her 30s or 35s. For younger women, it is not just a disease but a turning point that shakes every aspect of life. However, the relief is that with the right advice and modern treatment, women today are able to prioritize their future and a happy life instead of just fighting cancer. Treatment does not mean just getting cured - Dr. Bhuvan Chugh, Lead Consultant, Medical Oncology, Apollo Cancer Centre (Delhi-NCR), says, "Treatment of early breast cancer in young women cannot be limited to medicines only. The goal of treatment is to reduce the risk of recurrence while also ensuring that the patient's fertility is protected and they can return to their normal life. 5 Important Considerations During Treatment: Life-Friendly Treatment - Today's treatment is completely personalized. Doctors not only examine the tumor, but also understand your lifestyle and future goals. The goal is to ensure you can continue your daily routine with minimal side effects. Overcome the Fear of Recurrence - The fear of cancer returning is natural, but talking openly with your oncologist can help overcome it. Understanding your actual condition and modern preventive methods provides a sense of security and control. Family Planning and Fertility - Chemotherapy or other medications can affect your ability to become pregnant. Therefore, options like egg or embryo freezing should be discussed with your doctor before starting treatment. Balance Physical and Mental Health - Changes like fatigue or hair loss can be distressing, but today's supportive care medications can help manage these problems. It significantly reduces stress. During this time, the company of loved ones and staying active can help maintain mental strength. Don't lose your identity – don't let cancer dominate your entire life. By making small changes at work or sticking to your favorite habits, you can feel energized even during this difficult time.

A double dose of suspense and thrill! Find out when Bharath Niwas's 'Kaalidas 2' will hit OTT platforms.

Did you miss watching 'Kaalidas 2' in theaters? Read the streaming details here. 'Kalidas 2,' starring Bharath Niwas, was released in theaters on April 3, 2026. A month after its theatrical release, the film is now arriving on OTT platforms. Let's find out when and where this suspenseful crime thriller will release. What is the plot of the crime thriller? - Kaalidas 2 begins on New Year's Eve, when a four-year-old girl goes missing from a secure apartment complex. Officer Kaalidas arrives to investigate and soon discovers that several residents, including the apartment's secretary, are hiding secrets. What initially appears to be a case of a missing child, quickly becomes more serious as more bodies are discovered one by one. After battling his own personal struggles, Officer Kaalidas, along with DSP Vaishnavi, attempts to solve the crime and apprehend the culprit in time. DSP Vaishnavi is a newly appointed officer who has just graduated from the academy. When and where to watch Kaalidas 2 - Kaalidas 2 is set to premiere on SunNXT. The film will begin streaming online on May 12, 2026. The platform shared official details on social media. About Kaalidas 2 - This film is a sequel to Kaalidas. The first installment told the story of a police inspector investigating a string of mysterious deaths of women. Together with his senior officer, he uncovers clues related to illicit relationships and the Blue Whale Challenge, while also dealing with ongoing difficulties in his married life. 'Kalidas 2' Cast and Crew - Apart from Bharath Niwas, 'Kalidas 2' also stars Ajay Karthi, Sangeetha Madhavan Nair, Abarnathi, Bhavani Sri, Ananth Nag, TM Karthik, Singam Jayavel, Prakash Raj and Kishore in pivotal roles.

"You can't eat food..." When Akshaye Khanna became furious and spoke out for his co-actor

Akshaye Khanna was once so enraged by the actions of his film's production team that he reprimanded them in front of everyone. Akshaye Khanna is one of those stars who doesn't like to socialize. Many stories are famous about him, such as his quiet nature on set. However, once he became enraged on a film set and vehemently reprimanded the production team. Famous actor Amit Behl recently shared this incident involving Akshaye Khanna. He explained that the two were working together on a film. One day, something happened in the hotel that caused Akshaye to lose his temper. Akshaye was shocked by the production team's actions. It so happened that Akshaye Khanna was working on a film. There was an actor in the film who was not very famous and was staying at a different hotel. But one day, he arrived at the hotel where the main cast and crew were staying. He grabbed a plate from the hotel buffet for lunch and began eating. The production team stopped him from eating. Amit Bahl, speaking with Siddharth Kannan, explained, "As soon as the actor took his first bite from the hotel's lunch buffet, the producer's wife or a relative noticed he didn't belong there and told him he shouldn't eat. Just as he was starting to eat, someone from the production team came and said, "Sir, you can't eat this." He felt very bad. He quietly put his plate aside and went to sit alone." Akshay Khanna was furious - Amit Bahl explained that Akshay Khanna was very upset by this. He said, "Akshay is usually a man of few words, but that day he explained the true meaning of hunger and respect. That day I realized how serious and considerate he is towards his co-actors. Akshay said, 'A film is not made by the number of plates or how much food you have. It is made by the blessings of the people.' It really felt like a man who rarely speaks had finally unleashed his inner volcano."

Laughter, murder, and espionage: A 51-year-old blockbuster classic film adapted from an 'anonymous' novel, with songs still cult following

While cinema was going through a rough patch in the 70s, a classic film starring Rishi Kapoor and Neetu Singh brought about a change. The seventh decade of the 20th century was a period of immense turmoil in the Hindi film industry. The trio of Dev Anand, Dilip Kumar, and Raj Kapoor had begun to wear thin. Dev Anand's eternal charm, with 'Jaani Mera Naam' and 'Hare Rama Hare Krishna,' threatened to lose its magic beyond this decade. Amitabh Bachchan had already made his presence felt with 'Zanjeer' and 'Deewar,' and although he showed a softer and more sensitive side to his personality in 'Anand' and 'Abhimaan,' it was ultimately the 'Angry Young Man' who would emerge victorious. Rajesh Khanna's dominance at the box office was also on the verge of collapse. Hitting the jackpot - Everything was going well, but audiences wanted something else—something they couldn't articulate, and the producers couldn't grasp. Finally, in the middle of that decade, two films hit the jackpot: "Khel Khel Mein" and "Rafoochakkar." Both were light-hearted romantic comedies, full of the fun that the college crowd was looking for: teenage romance. Both featured the fresh young pairing of Rishi Kapoor and Neetu Singh. A few years earlier, elder brother Randhir Kapoor had dabbled in this subgenre of college romance musicals (Kal Aaj Aur Kal, Jawani Deewani, Dil Deewana), but then abandoned it and embraced Raj Kapoor-style romantic comedies (Rampur Ka Lakshman). Milestone - In many ways, "Khel Khel Mein" was a milestone for Hindi cinema. A year before the release of "Khel Khel Mein" on May 16, 1975, the pair had starred in "Zahreela Insaan," based on Puttanna Kanagal's Kannada hit "Nagarahaavu." But despite its cult status, the Hindi remake didn't do much for these young screen lovers. If "Khel Khel Mein" ignited the teenage romance scene, it was because of its unique presentation. For college audiences tired of seeing older heroes and heavier heroines in so-called college romances, this film was a godsend. Here was a pair that was truly young and didn't need any artificiality to appear young. A unique thriller genre: Besides establishing Rishi Kapoor and Neetu Singh as a successful hit pair among the college crowd, "Khel Khel Mein" also marked a shift in theme and content—a subgenre that would be replicated for a long time: the "black comedy thriller." The story was borrowed from a little-known (even obscure) French novel, "Good Children Don't Kill," written by Louis Thomas, whose work is largely unobtainable today. The premise was simple: Ajay Anand (Rishi Kapoor) attends a college in Shimla and falls victim to the machinations of two mischievous individuals, Vikram (Rakesh Roshan) and Nisha (Neetu Singh). The three quickly become friends, discovering that Ajay is just as mischievous as they are. The trio then begins searching for people to target. While planning their prank, they spot a wealthy but miserly jeweler (Jankidas), whose shop is directly opposite their usual café. As a joke, they decide to write him an extortion letter. However, the jeweler is found dead the next day, and the letter is taken as evidence of their involvement. Thus begins a cat-and-mouse game between the police and the trio, until Vikram is murdered. The banter soon turns into a serious case of murder and espionage. The immortal musical saga – The plot may seem simple today, and frankly, it is, but the magic of this film lay in its innovation and presentation. Ravi Tandon had already directed several successful action films – 'Anhoni' (1973) and the evergreen classic 'Majboor' (1974), but this film, written by Sachin Bhowmick, added another dimension to his directorial career. So much so that, if one were to retrospect his entire career, 'Khel Khel Mein', 'Majboor', and much later, 'Khuddar', would rank among his most outstanding films. The screenplay was complemented by R.D. Burman's classic music, with lyrics by Gulshan Bawra. The duo captured the mood of college romance and delivered chartbusters ranging from "Ek Main Aur Ek Tu" and "Humne Tumko Dekha" to "Khullam Khulla Pyar Karenge." Building an impressive legacy: The brand was so successful that the film was remade in Malayalam as "Aruthu" (1976), and Abbas-Mustan used the same mischievous premise for the third film in their Akshay Kumar franchise, "Khiladi" (1992). On the Rishi Kapoor-Neetu Singh front, the film marked the beginning of their half-decade-long run of films: "Rafuchakar" (1975), "Zinda Dil" (1975), "Kabhi Kabhie" (1976), "Amar Akbar Anthony" (1977), "Doosra Aadmi" (1977), "Jhootha Kahin Ka" (1979), and "Dhan Daulat" (1980). The pair went much further with 'Do Dooni Chaar' (2010) and 'Besharam' (2013), but these were no longer college romances.